

टैरिफ संग्राम : मोदी बोले- मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, तैयार हूं

झुकेंगे नहीं..अमेरिका पर जवाबी एक्शन

भारत ने रद्द की 31 हजार करोड़ की डील

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका से टैरिफ के तीखे होते वॉर के बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार खुलकर बात रखी है। मोदी ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आज सुबह के उस बयान के बाद कही जिसमें ट्रंप ने कहा- अभी तो टैरिफ लगाए सिर्फ आठ घंटे हुए हैं, बहुत सारे सेकेंडरी संस्करण आने वाले हैं।' इसके बाद मोदी ने भी प्रकाशत से साफ किया कि अमेरिका भारत पर अपना कृषि व डेयरी क्षेत्र खोलने के लिए दबाव बना रहा है। मोदी बोले कि हमारे लिए किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि %पता है कि इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं भारत ने ट्रंप को उनकी ही शैली में करारा जवाब भी दिया और अमेरिका के साथ करीब 31 हजार करोड़ की बोईंग डील रद्द कर दी है। भारत ने अपनी नौसेना के लिए अमेरिका की बोईंग कंपनी से छह विमान खरीदने का सौदा किया था ताकि समुद्र में निगरानी मजबूत हो सके। भारत ने अमेरिका के साथ ख-35 स्टीलथ फाइटर जेट खरीदने से भी इनकार कर दिया है। अब इंडिया इन फाइटर जेट के लिए फ्रांस से संपर्क में है।

उधर, आज सुबह नई दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मोदी ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और



विदेश मंत्रालय सख्त

हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया और कहा है कि अमेरिका ने हाल ही में भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं और इसका मकसद 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका अतिरिक्त टैरिफ लगा रहा है, जबकि कई और देश भी अपने हित में यही काम कर रहे हैं। ये कदम अनुचित, नाजयज और गलत हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

खेती पर खर्च कम करने के लिए लगातार काम कर रही है। देश में सोयाबीन, सरसों, मूंगफली का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ा है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों के और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा और मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप इसके लिए मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।

पीएम ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्रोत बनाना, इन लक्ष्यों पर हम

लगातार काम कर रहे हैं। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनी उनमें सिर्फ मदद नहीं थी बल्कि किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी थी। पीएम सम्मान निधि से मिलने वाली सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। सिंचाई से जुड़ी समस्या को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर 2.5 प्रतिशत एक्सट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान करने के एंजीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन

भारत बना रहा 'निपटने' की रणनीति

भारत सरकार निर्यात करने वाले कारोबारों को बचाने की योजना बना रही है। सरकार उन्हें अपने ब्रांड बनाने और बढ़ावा देने के लिए कह रही है। यह काम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और इंडिया ब्रांड इकिटी फाउंडेशन मिलकर कर सकते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने समुद्री खाद्य उत्पाद क्षेत्रों से पूछा है कि क्या वे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर कोई योजना बना सकते हैं। क्योंकि इकाइयों जैसे झींगा मछली उत्पाद देशों पर सिर्फ 15% टैक्स लगेगा। सरकार टेक्सटाइल और केमिकल जैसे क्षेत्रों के निर्यातकों को ट्रंप के टैक्स से बचाने के लिए कुछ योजनाएं बना रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने स्टील, खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, समुद्री और कृषि जैसे कई क्षेत्रों के साथ बैठकें की हैं। भारत यह देखेगा कि अमेरिकी टैक्स का कितना असर होता है और ये कब तक चलते हैं। भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के व्यापार अधिकारी इस महीने के अंत में भारत आएंगे और व्यापार समझौते पर बातचीत करेंगे।



क्या हैं सेकेंडरी सैंक्शंस?

दरअसल, यह वे प्रतिबंध होते हैं जो किसी देश पर सीधे नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश से उसके व्यापारिक रिश्तों के चलते लगाए जाते हैं। यानी अमेरिका सीधे भारत को टारगेट न करके, उन कंपनियों और बैंकों पर सख्ती कर सकता है जो रूस से तेल खरीद में शामिल हैं। भारत ने रूस-यूक्रेन जंग के बावजूद रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है। अमेरिका लंबे समय से भारत पर इस फैसले को लेकर दबाव बना रहा है। हालांकि भारत हमेशा कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा जरूरतें उसके राष्ट्रीय हित से जुड़ी हैं।

के बाद से हलचल तेज है। आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा। इस तरह यह कुल 50 फीसद हो जाएगा। देर रात जब ट्रम्प से पूछा गया कि भारत पर ही क्यों सख्ती, जबकि चीन जैसे और देश भी रूसी तेल खरीद रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा अभी सिर्फ

8 घंटे ही तो हुए हैं। आप बहुत कुछ होते देखेंगे। बहुत सारे सेकेंडरी सैंक्शंस आने वाले हैं। इसके मायने यह हैं कि अमेरिका भारत समेत उन देशों के खिलाफ 'सेकेंडरी सैंक्शंस' लगा सकता है जो रूस के साथ व्यापारिक संबंध बनाए हुए हैं।

आज डिनर पर जुटेंगे इंडिया ब्लॉक के नेता

संसद में बिहार एसआईआर पर गतिरोध,कार्यवाही फिर स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र में आज लोकसभा की कार्यवाही को विपक्ष के प्रदर्शन के चलते लोकसभा दोपहर तक स्थगित करना पड़ा। लोकसभा में आज नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नर्स बिल और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी बिल को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने पर फैसला लिए जाने की संभावना है। विपक्ष ने दोनों बिल को जेपीसी के पास भेजने की मांग की है।

वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर बिहार एसआईआर पर चर्चा कराने की मांग की है। पिछले तेरह दिनों से विपक्ष बिहार इस पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। जिसके चलते कार्यवाही बाधित है। हालांकि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि लोकसभा का नियम है कि कोर्ट में लंबित मामलों पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती।उधर आज दिल्ली में



इंडिया ब्लॉक के नेताओं की मीटिंग और डिनर है इस दौरान बिहार के इस मुद्दे पर प्रदर्शन की तैयारी पर बात होगी। ज्ञात हो कि 21 जुलाई को शुरू मानसून सत्र के बाद से कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किए। सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली।

मंदसौर में भूकंप के झटकों से दहशत फैली

मंदसौर एजेंसी। मप्र के मंदसौर जिले के पिपलियामंडी और मल्हारगढ़ क्षेत्र में आज सुबह 10:07 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह झटके बेहद हल्के थे, लेकिन स्थानीय लोगों को कुछ सेकंड तक जमीन कांपती महसूस हुई। इससे कुछ देर के लिए दहशत रही। भूकंप की तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यूड बताई जा रही है। इसका केंद्र राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। आसपास के गांवों जैसे कनघड़ी, अमरपुरा और रेवास-देवड़ा में भी झटके महसूस किए गए। इससे दरवाजे और खिड़कियां हिलने लगीं। लोग घरों से बाहर निकल आए। राजस्थान के प्रतापगढ़ शहर के नई आबादी, सदर बाजार, एरियापति, वाटर वर्क्स, बड़ा बाग कालोनी और मानपुर जैसे क्षेत्रों में भी झटके महसूस किए गए।

मानसून की सक्रियता उत्तर में ज्यादा

हिमाचल में हालात बिगड़े, फिर बादल फटे,मप्र में गर्मी पारा चढ़ा

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में दो दिन से जारी भारी बारिश ने हालातों को नियंत्रण से बाहर कर रखा है। देर रात फिर यहां बादल फट गया। जिससे नोगली बाढ़ आ गई। इससे पहले मंडी चंडीगढ़-मनाली फोरलेन के फ्लाइटओवर पर लैंडस्लाइड से दरारें आ गई हैं। अब 533 सड़कें बंद हैं। उप्र में नदियां उफान पर हैं। प्रयागराज, वाराणसी समेत 24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बारिश के चलते अब तक 360 मकान ढह चुके हैं। बाढ़ और बारिश से जुड़े हादसों में 16 लोगों की मौत हुई है। फर्रुखाबाद के पंखियन में गंगा में एक मकान 10 सेकेंड में समा गया।, बिहार में गंगा और सोन नदी उफान पर हैं। कई गांव जलमग्न हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है।



मप्र में चढ़ रहा पारा

मप्र में अगस्त में अब तक बारिश थमी हुई है। हल्की फुहारों का दौर है। लेकिन गर्मी व उमस बढ़ रही हैं। पारा 32 तक पहुंच रहा है। मौसम वैज्ञानिक दिव्या ई. सुरेंद्रन का कहना है कि 0अभी एक मानसून ट्रफ, एक अन्य ट्रफ और एक साइक्लोनिक सकुलेंशन सिस्टम की एक्टिविटी है, लेकिन प्रदेश में इसका कोई असर नहीं है। 10 अगस्त तक ऐसा ही मौसम रहेगा। कहीं-कहीं हल्की बारिश जरूर होगी।

मेट्रो एंकर

जापान की घटती आबादी के बीच दोगुनी हो गई मुस्लिम आबादी !

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान की आबादी तो लगातार घट रही है और वहां मुस्लिमों की आबादी करीब 10 सालों में दोगुनी से अधिक हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में जापान में मुस्लिमों की आबादी करीब 1 लाख 10 हजार थी, लेकिन अब बढ़कर 2 लाख 30 हजार हो गई। इनमें 50 हजार जापानी भी शामिल हैं जो धर्मांतरण के बाद मुस्लिम बने हैं। ये आंकड़े जापान की वसेडा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर तनाडा हिरोकुमी की ओर से जारी किए गए। जापाना की आबादी में जन्म दर भी कम हो गई है लिहाजा भविष्य में जापान में काम करने वाले युवाओं की संख्या घटने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी वजह से जापान की सरकार विदेशी वर्कर्स और स्टूडेंट्स को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। हालिया सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 में देश की जनसंख्या में पांच लाख से ज्यादा की कमी दर्ज की



गई है। 2023 में जन्म दर 730,000 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि जापान में मृत्यु दर भी 15.8 लाख के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। जनवरी तक जापान की कुल जनसंख्या

12.49 करोड़ थी।

दरअसल दुनिया में 12वां सबसे अधिक आबादी वाला देश जापान, मुख्यतः कम जन्म दर और बदलती जीवनशैली के कारण तेजी से बढ़ती उम्रदराज आबादी से जूझ रहा है। 2008 में 12.8 करोड़ के शिखर पर पहुंचने के बाद, जनसंख्या में गिरावट शुरू हुई, जो 2022 में 12.5 करोड़ और 2023 में 12.49 करोड़ दर्ज की गई। ईस्ट एशिया फोरम के अनुसार, अगर यही रुझान जारी रहा, तो 2100 तक जापान की जनसंख्या घटकर 6.3 करोड़ रह जाने का अनुमान है। जापान में तेजी से घटती आबादी के मुख्य कारण कम जन्म दर और बदलती जीवनशैली व विवाह के प्रति दृष्टिकोण हैं।

पिछले दो दशकों में मुसलमानों और जापानी नागरिकों तथा धर्मांतरित जापानी लोगों के बीच विवाहों में तेज वृद्धि के कारण बढ़ा है, जिसके कारण मस्जिदों की संख्या में सात गुना वृद्धि हुई है।

सुविधाओं के साथ बढ़ा संघर्ष भी

जापान में मुस्लिमों की आबादी बढ़ी है तो उनके लिए कुछ सुविधाएं भी बढ़ गई हैं और अन्य चीजों के लिए मांग हो रही है। देश में अब मस्जिदों की संख्या 110 से अधिक हो गई है। बीपू मुस्लिम एसोसिएशन के प्रमुख अब्बास खान कहते हैं कि यह बदलाव स्वागत योग्य है। उन्होंने बताया कि 2001 में जब वे पाकिस्तान से एक छात्र के तौर पर जापान आए थे तब यहां सिर्फ 24 मस्जिदें थीं। एक तरफ मस्जिदों की संख्या बढ़ गई है, लेकिन कई चीजों के लिए मुस्लिमों को अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इनमें से एक चुनौती है- कब्रगाह के लिए जगह ढूंढना! जापान की 99 फीसदी आबादी दाह-संस्कार की परंपरा मानती आई है, इस वजह से देश में कब्रगाह की संख्या काफी कम है। जापान के हिजी में मुस्लिमों के लिए कब्रगाह बनाए जाने की कोशिश की गई थी, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध की वजह से काम रोक दिया गया।

केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात: सांसद ने कहा- इंटरनेशनल फ्लाइट दें या दर्जा खत्म करें



भोपाल, दोपहर मेट्रो

सांसद आलोक शर्मा ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू से भोपाल से दुबई और सिंगापुर के लिए इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने की मांग की है। उन्होंने संसद भवन में हुई मुलाकात में स्पष्ट तौर पर कहा कि यदि भोपाल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित नहीं की जा सकती, तो राजा भोज एयरपोर्ट का इंटरनेशनल दर्जा समाप्त कर दिया जाए।

जानकारी के मुताबिक सांसद शर्मा ने बताया कि 2011 में भोपाल एयरपोर्ट को



इंटरनेशनल स्तर पर अपग्रेड करने के लिए करीब 225 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। 28 जून 2011 को तत्कालीन विमानन मंत्री वायलार रवि ने इसका लोकार्पण

किया था। एयरपोर्ट पर कस्टम, इमिग्रेशन और अन्य अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, इसके बावजूद अब तक यहां से कोई शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू नहीं हो सकी है। मंत्री को सौंप गए मांग पत्र में भोपाल से जम्मू-कश्मीर, पटना, चंडीगढ़, कोलकाता और गोवा के लिए शेड्यूल फ्लाइट शुरू करने की भी अपील की गई है। सांसद ने कहा कि 1 दिसंबर 2024 को गोवा फ्लाइट शुरू हुई थी, जो चार महीने बाद बंद हो गई। उन्होंने इसे दोबारा शुरू करने की मांग भी की।

फिर भी पूरी होने के आसार कम

जेपी की बिल्डिंग पूरी करने की डेडलाइन चौथी बार बढ़ी



भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के नये हिस्से के लिये अहम जयप्रकाश (जेपी) अस्पताल में बनने वाली पांच मंजिला नई बिल्डिंग की डेडलाइन फिर बढ़ा दी गई है। अब यह भवन 30 दिसंबर 2025 तक अस्पताल प्रशासन को सौंपा जाएगा। यह चौथी बार है जब समय सीमा बदली गई है। इसके बावजूद आशंका यह है कि डेडलाइन तक अस्पताल को अधूरी बिल्डिंग ही मिलेगी।

कार्डियक यूनिट सिर्फ कागजों में रह गई

बताया जाता है कि इस भवन

में दिल के मरीजों के लिए अत्याधुनिक कार्डियक यूनिट बनाई जानी थी। लेकिन अब यह यूनिट सिर्फ कागजों में रह गई है। विभाग ने करोड़ों की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया है।

दंत चिकित्सा लैब को अपग्रेड करने का प्रोजेक्ट खत्म

वहीं, दंत चिकित्सा लैब को अपग्रेड करने का प्रोजेक्ट भी खत्म हो चुका है। इससे जेपी अस्पताल में कैप लगाने के लिए आधी सुविधा ही मिल पाती है। अब रूट केनाल तक की सुविधा के लिए हमीदिया या एम्स जाना पड़ेगा। इससे हजारों मरीजों की उम्मीदें टूट गई हैं।

दिल के मरीजों के लिए सुविधाएं सीमित

जेपी अस्पताल भोपाल का प्रमुख सरकारी अस्पताल है। यहां हर महीने हजारों गरीब मरीज इलाज के लिए आते हैं। दिल के मरीजों के लिए यहां पहले से ही सीमित सुविधाएं हैं। इसके विस्तार को लेकर कई कवायदें लंबे समय से चल रही हैं लेकिन सभी का लाभ पूरा नहीं मिल पा रहा है। जबकि नये भोपाल की तरफ आबादी तेजी से बढ़ रही है और ऐसे में मरीजों के बढ़ते बोझ को संभालने के लिये जेपी अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार उस तरह से नहीं हो पा रहा है।

नवनिध स्कूल में उपलब्धियां हासिल करने वाली छात्राओं का सम्मान



हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहाँ छात्राओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। चौथी डिस्ट्रिक्ट स्कोय मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में छात्राओं ने 33 पदक (16 स्वर्ण, 11 रजत, 6 कांस्य) जीत की खुशी मनाई गई। पाँचवीं की रुद्राक्षी सिंह नरवरे को अपकमिंग स्टार परफॉर्मर ने खिताब हासिल किया।

यूसीआई मापदंडों पर खरा उतरना होगा

कॉलेजों की संबद्धता से पहले टीम करेगी निरीक्षण

भोपाल दोपहर मेट्रो

अब मेडिकल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, डेंटल, आयुष समेत विभिन्न संकायों के 500 से ज्यादा कॉलेजों को संबद्धता हासिल करने के लिए क्वालिटी कार्डेंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के मापदंडों पर खरा उतरना होगा। संबद्धता से पहले क्यूसीआई की टीम इन कॉलेजों को निर्धारित मानकों पर परखेगी। इसके बाद इसकी रिकमंडेशन पर ही कॉलेजों को मान्यता दी जाएगी।

जानकारी के मुताबिक निरीक्षण करने वाली टीम बॉडी कैमरा, जियो टैगिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों का स्तर

देखते हुए सुधार का मौका दिया जाता है।

मप्र आयुर्विज्ञान विवि जबलपुर की कार्य-परिषद की 95वीं बैठक में पैरामेडिकल कार्डेंसिल से मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संबद्धता निरंतरता के लिए निर्णय लिए जाने की अनुशंसा की गई है। अब तक कॉलेजों की मान्यता को लेकर भ्रांतियां थीं कि टीम आती है और आधी-अधूरी जानकारी लेकर भी मान्यता दे दी जाती है। नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई जांच में भी कई गड़बड़ियां सामने आई थीं। इन सभी मामलों को देखते हुए अब उत्तर प्रदेश की तर्ज पर क्यूसीआई को मान्यता का काम दिया जाएगा।

बीते साल से शुरू की गई जांच

उत्तर प्रदेश में भी सभी तरह के मेडिकल कॉलेजों की मान्यता से पहले क्यूसीआई का निरीक्षण बीते साल शुरू किया गया। इसके बाद यहां नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों की संख्या 600 से घटकर महज 68 रह गई है। उच्च क्वालिटी मानकों को परखने के लिए ये कवायद है। बताया जाता है कि कॉलेजों की सूची वेबसाइट पर अब तक लोगों को कॉलेज के फर्जी या असली होने को लेकर दुविधा थी। कार्यपरिषद में निर्णय हुआ कि विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी कॉलेजों की सूची अब यूनियर्सिटी की वेबसाइट में ऑनलाइन की जाएगी। यह पहलक डोमेन में होगी।

लाख रुपये की ही वसूली कर सकी है। शेष 2.71 करोड़ की राशि अब भी रिकवरी सूची में अटक की है। हालांकि प्रदेश के 8 जिले ऐसे हैं जिनमें शासन ने सौ फीसद तक रिकवरी कर ली है। बताते हैं कि रायसेन के 111 प्रकरणों में 70.60 लाख रुपये, मंदसौर में 20 प्रकरणों में 64.54 लाख, आगरमालवा के तीन प्रकरणों में 23.87 लाख, खरगोन के तीन प्रकरणों में 57.17 लाख, छतरपुर में तीन प्रकरणों में 37.31 लाख और खंडवा के एक प्रकरण में 11.61 रुपये की शत-प्रतिशत रिकवरी हो गई है। इसी तरह सतना और मैहर में भी 100 फीसदी रिकवरी हो चुकी है। इनमें से मंदसौर, सतना, मैहर, रायसेन और छतरपुर में घोटाला होने पर कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई।

मेट्रो एंकर

महज सात करोड़ वापस खजाने में, अपात्रों पर बरसी इनायत

राहत के नाम पर 28 करोड़ की गड़बड़ी, रिकवरी भी सुस्त

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र के कई जिलों में अभी बाढ़ या अतिभारी बारिश से आफत है, प्रशासन पीड़ितों को राहत बांटने में जुटा है लेकिन राहत के नाम पर चल रहे बड़े फर्जीवाड़े की भी कलई खुल रही है। हालांकि यह राहत के पुराने मामले हैं। बताया जाता है कि दस साल में ही राहत के नाम पर मचे खेल में 20 जिलों में प्राकृतिक आपदा की सहायता राशि के 288 मामलों में 27.90 करोड़ रुपये का गबन सामने आ चुका है। चौकाने वाली बात यह रही कि सरकार अब तक सिर्फ 7.43 करोड़ रुपये की ही वसूली कर सकी है। बाकी 20.47 करोड़ की राशि आज भी सरकारी फाइलों और नोटिफिकेशन के भरोसे अटक की है। जानकारी के मुताबिक हर जिले में

इस घोटाले को करने का तरीका भले ही अलग था, लेकिन मकसद सबका एक था यही संकट की घड़ी को कमाई का जरिया बनाना। 2015-16 से 2024-25 तक सरकारी राहत सहायता के नाम पर कुल 27 करोड़ 90 लाख 51 हजार 710 रुपये की अनियमितता हुई। जिसमें से सिर्फ 7 करोड़ 43 लाख 31 हजार 903 रुपये की ही रिकवरी हो पाई है। अभी भी 20 करोड़ 47 लाख 19 हजार 807 रुपये की वसूली होना बाकी है। जानकारों की मानें तो नर्मदापरम

हर जगह फर्जीवाड़ा

सबसे ज्यादा गड़बड़ी फसल क्षति मुआवजा में की जाती रही है। कई मामलों में बिना फसल नुकसान के ही मुआवजा बांट दिया गया, कहीं खेत नहीं हुआ फिर भी भुगतान हो गया। मोत पर मिलने वाली सहायता राशि में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बैंक खाते लगाकर पैसा निकाला गया। कुछ मामलों में ऐसी मौतों पर भी सहायता जारी कर दी गई जो आपदा श्रेणी में आती ही नहीं थी। मवेशियों के मरने पर मिलने वाली राहत में भी बिना पशु चिकित्सक की पुष्टि के भुगतान कर दिया गया। इसी तरह मकान क्षति की सहायता राशि में ही गड़बड़ी की गई है।

में 2.23 करोड़ रुपये का गबन हुआ, जिसमें से मात्र 17 लाख रुपये ही वापस आए। शिवपुरी में चार प्रकरणों में कुल 2.77 करोड़ रुपये की अनियमितता हुई, जिसमें 1.65 करोड़ रुपये अब भी बकाया है। इसी तरह श्योपुर में 1.37 करोड़ रुपये की राशि अभी भी बकाया है। उधर ऐसे प्रकरणों में सबसे ज्यादा बकाया राशि भिंड जिले में है। यहां अब तक राहत राशि के पांच मामलों में कुल 3.64 करोड़ की अनियमितता सामने आई, लेकिन सरकार अब तक सिर्फ 93

सबसे ज्यादा गड़बड़ी फसल क्षति मुआवजा में की जाती रही है। कई मामलों में बिना फसल नुकसान के ही मुआवजा बांट दिया गया, कहीं खेत नहीं हुआ फिर भी भुगतान हो गया। मोत पर मिलने वाली सहायता राशि में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बैंक खाते लगाकर पैसा निकाला गया। कुछ मामलों में ऐसी मौतों पर भी सहायता जारी कर दी गई जो आपदा श्रेणी में आती ही नहीं थी। मवेशियों के मरने पर मिलने वाली राहत में भी बिना पशु चिकित्सक की पुष्टि के भुगतान कर दिया गया। इसी तरह मकान क्षति की सहायता राशि में ही गड़बड़ी की गई है।

त्योहार की रौनक से बाजार का सन्नाटा टूटा

रक्षाबंधन को लेकर सजने लगा बाजार, उमड़ने लगे हैं खरीदार

भोपाल दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के प्रमुख बाजारों में रौनक लौटने लगी है। लोगों की आखिरी दिनों में खरीदारी की आदत के चलते अब चौक बाजार व पुराने भोपाल के बाजारों से लेकर न्यू मार्केट तक खरीदारी का उत्साह देखा जा रहा है। भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को समर्पित रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने राखी, गिफ्ट और मिठाइयों की जमकर खरीदारी शुरू कर दी है।



हालांकि अभी भी खरीदारों की भीड़ शाम से लेकर देर रात तक उमड़ रही है। दुकानों में भी देर तक खुली रहने लगी है। रविवार और सोमवार को न्यू मार्केट में भारी भीड़ देखने को मिली। दुकानों के बाहर ग्राहकों की कतारें तक रहीं। फिर कल रात को भी भीड़ उमड़ी। दुकानकारों का मानना है कि अब आज व कल ग्राहकी का दबाव बढ़ेगा।

कुल मिलाकर रक्षाबंधन के त्योहार ने एक बार फिर बाजार को संजीवनी दी है, जिससे छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े दुकानदारों तक सभी के चेहरे खिले हुए नजर आ रहे हैं।

इस वक़्त बाजार में परंपरागत राखियों से लेकर डिजाइनर, कस्टमाइज्ड और बच्चों के पसंदीदा कार्टून राखियों की भी भरमार है। वहीं, मिठाई की दुकानों पर भी चहल-पहल बनी हुई है। गहनों, कपड़ों और कॉस्मेटिक की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखते ही बन

पुलिस व प्रशासन सतर्क

भीड़ को संभालने के लिए सुरक्षा इंतजाम भी किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा न्यू मार्केट क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था और आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

रही है। दुकानदारों ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। कई दुकानदारों ने रात-दिन मेहनत कर स्टॉल और काउंटर सजाए हैं। इसके साथ ही बाजार में छोटे बच्चों के खिलौने, राखी के साथ मिलने वाले गिफ्ट पैक और पूजा सामग्री की भी अच्छी बिक्री हो रही है। हालांकि दुकानदारों ने राखी से संबंधित तमाम सामग्री का स्टॉक काफी दिन पहले से बुला रखा था लेकिन इसकी मांग हाल के दिनों में बढ़ी है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में मिल रही 20 प्रतिशत छूट का लाभ

भोपाल शहर के 88 हजार उपभोक्ताओं को 78 लाख 65 हजार से अधिक की छूट

भोपाल दोपहर मेट्रो

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 1 लाख 24 हजार 701 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान करते हुए जुलाई 2025 में कुल 01 करोड़ 08 लाख 59 हजार 082 रुपये की रियायत प्रदान की गई है जिसमें भोपाल शहर वृत्त के 88 हजार 180 उपभोक्ताओं को 78 लाख 65 हजार 444 रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे छूट के तहत 50 रूपये से लेकर 12 हजार 160 रूपये तक की छूट प्रदान की गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत माह जुलाई 2025 के दौरान यह छूट प्रदान की गई है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक

प्रबंध संचालक ने की अपील

प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें और स्मार्ट मीटर लगवाने से न घबराएं। स्मार्ट मीटर उनके लिए हर तरह से फायदेमंद है और स्मार्ट मीटर की सटीक रीडिंग और बिलिंग के साथ ही कार्यप्रणाली में भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ताओं को ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद मिलती है। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।

जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है।

बढ़ता बहनों का विश्वास
बढ़ती घर-घर
खुशियां



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को
रक्षाबंधन का उपहार

₹1859 करोड़ की राशि का अंतरण

आज आयेंगे हर बहन के खाते में
₹250 रक्षाबंधन शगुन और
प्रतिमाह के ₹1250 सहित कुल ₹1500

28 लाख से अधिक बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग
के लिये ₹43.90 करोड़ की सहायता

7 अगस्त 2025 | अपराह्न 2:30 बजे

मंडी प्रांगण, नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़

सच हमेशा कड़वा होता है। - कुशवाहा कान्त

संपादकीय

बातों में वजनदारी की बात

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सेना के खिलाफ बयानबाजी को मामले में दी कड़ी नसीहत की खासी चर्चा है और सियासी बहसें भी। यह दरअसल सार्वजनिक जीवन में मौजूद हर शख्स के लिए सीख की तरह हो सकता है कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। ऐसे बयान केवल जनता को ही गुमराह नहीं करते, सेना जैसी संस्था के मनोबल पर भी असर डालते हैं। हालांकि राहुल की सांसद बहन प्रियंका ने भाई का बचाव करते हुए कहा है कि सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके प्रति सम्मान रखता है। उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने कहा है कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा, आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की दो हजार वर्गकिमी जमीन पर कब्जा कर लिया। यह कथित विवादित बयान भारत जोड़ो यात्राके दौरान राहुल ने दिया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि 20 जवानों को मारा गया और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों को पीटा गया। उन्होंने जब यह बयान दिया तब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव चरम पर था। वैसे भी दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद लंबे समय से उलझा हुआ है और दोनों के कूटनीतिक रिश्तों में यही सबसे नाजुक कड़ी है। ऐसे में राहुल गांधी के बयान ने देश के भीतर सीमा के हल्लात को लेकर संदेह पैदा किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ही सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इतनी सख्त टिप्पणी आई कि एक सच्चा भारतीय ऐसा बयान नहीं देगा। शीर्ष अदालत ने बिल्कुल सही कहा कि राहुल गांधी के पास अपनी बात रखने और सरकार से सवाल पूछने के लिए संसद जैसा मंच है। अगर उन्हें लग रहा था कि सरकार तथ्यों को देश से छिपा रही है, तो वह सदन में यह मुद्दा उठा सकते थे, जिससे ज्यादा दबाव बनता। सोशल मीडिया उचित प्लेटफॉर्म नहीं, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसले पर बहस हो। राहुल गांधी की मंशा भले ही सेना का अपमान करने या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की न रही हो, लेकिन इससे संदेश यही गया कि वह भारतीय सेना को कमतर आंक रहे हैं। हालिया बरसों में हुए टकरावों में, जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी से लेकर अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर तक, भारतीय सेना ने चीन की हर आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन वह संघर्ष की कीमत होती है और चीन को भी उसे चुकाना ही पड़ा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले पर फिलहाल रोक लगा दी है। मगर शीर्ष अदालत की टिप्पणियों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि राजनीतिक बयानबाजी की भी कुछ मर्यादाएं होती हैं। बात जब सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो, तो यही जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यद्यपि इस एक मामले से अलग हटकर भी देखें तो भी भारतीय राजनीति में हर दल के नेता के बयान एक अलग तरह का रंग लिए हुए साफ दिखते हैं, इनमें तंज ज्यादा होता है और तथ्य कम होते हैं। इसलिये कई मर्तबा यह बयानबाजी कानूनी दायरों में भी पहुंची है। राजनीति में यदि बयानों में गरिमा व तर्क तथ्य का समावेश हो तो बात बिगड़ती नहीं है। भारतीय राजनीति में बातचीत या बयान के मामले में गिरावट का दौर बीते डेढ़ दशक में ज्यादा बढ़ा है, इस दौर को आगे बढ़ने से रोकने की जवाबदारी सभी की है।

आज का इतिहास

- 1668 - प्रसिद्ध न्यूटन ने ट्रिनीटी कॉलेज कैंब्रिज से मास्टर डिग्री हासिल की।
- 1753 - ब्रिटेन म्यूजियम की स्थापना की गई।
- 1880 - ‘उचित वक्ता’ पं. दुर्गाप्रसाद मिश्र द्वारा प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र था।
- 1914 - रूस ने पूर्वी
- परूसिया पर हमला किया।
- 1946 - ब्रिटेन ने पहली बार सिक्के पर एक अश्वेत की तस्वीर उकेरने को मंजूरी दी।
- 1957 - अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- 1960 - आइवरी कोस्ट को फ्रांस से स्वतंत्रता मिली।

निशाना

मारेंगे हम गोला !



-कृष्णोन्म राय

चली वहां से गोली तो ।
मारेंगे हम गोला ।।
अब माया और ममता की ।
दिए उतार चोला ।।
फिर भी अब तक हमने ।
ताकत है दिखाई ।।
हर मोर्चे पर दुश्मन ने ।
है मुंह की ही खाई ।।
नहीं हैं डरने वाले ।।
ना कोई विराम ।।
जान चुकी ये दुनिया ।
कर सकते तमाम ।।
लेकिन अब तक संयम से ही ।
लिया है हमने काम ।।
दूर दूर तक गूंज उठा ।।
आखिर अपना नाम ।।

‘ऑपरेशन महादेव’: ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा या उसे टकने की रणनीति?

■ राजीव खंडेलवाल

देश के गृहमंत्री ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर संसद में चल रही बहस के दूसरे दिन 30 जुलाई को ‘ऑपरेशन महादेव’ की अधिकृत घोषणा कर पहलगाम घटना के जिम्मेदार तीन आतंकियों को मारने की पुष्टि कर दी। देश का राजनीतिक व सैनिक नेतृत्व को उक्त उपलब्धि पर ढेर सारी हार्दिक बधाईयां। परंतु विपक्ष की ओर से इस उपलब्धि पर बधाई में ‘प्रारंभिक अनावश्यक हिचक’ अवश्य दिखी। खासकर वह विपक्ष जो पहलगाम घटना के दोषी आतंकियों को ‘मटियामेट’ न किया जाने के कारण अभी तक निशाना बनाता रहा था। इस विपक्ष को यह भी याद रखना चाहिए कि अमेरिका के 9/11 (वर्ष 2001) के न्यूयॉर्क के ‘वर्ल्ड ट्रेड सेंटर’ पर हुए आतंकी घटना में मारे गये 2977 लोगों का बदला लेने के लिये ‘मास्टर माइंड ओसामा बिन लादेन’ को ठिकाने लगाने में साढ़े 9

साल से ज्यादा (वर्ष 2011) का वक्त लग गया। जबकि पहलगांव हत्याकांड का बदला मात्र 100 दिन के भीतर ही ले लिया गया। अतः ‘ऑपरेशन महादेव’ की टाइमिंग को लेकर अखिलेश यादव द्वारा प्रश्न उठाने का कोई ‘औचित्य’ तब नहीं रह जाता है, जब तक इसके विपरीत कोई और ‘साक्ष्य’ न हो। 22 अप्रैल की रात को हुए आतंकी हमले में 25 निंदोष भारतीयों के साथ एक विदेशी नागरिक की शहादत हुई थी। प्रधानमंत्री विदेश से दौरा अधूरा छोड़कर देश लौटकर आए और ‘युध्वी’ के किसी भी कोने में छिपे आतंकवादियों को ढूंढकर उनकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर का वर्तमान स्वरूप जानने के लिए पहले आपको इस बात को समझना होगा कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ लाया क्यों? इसका मूल उद्देश्य



आतंकी तथा सीमावर्ती आतंकी बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। रक्षा मंत्री के अनुसार ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के तहत पाकिस्तान के नौ बड़े आतंकी लॉन्चिंग पैड्स तबाह किये गये और 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। राजनाथ सिंह यह कहते हुए भूल आते हैं कि उन्होंने 4 मई तारीख को दिल्ली में एक सनातन संस्कृति जागरण में कहा था ‘आप जैसा चाहते हैं होकर रहेगा।’ क्या ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के लिए जनता के मन में सिर्फ उक्त उतना ही लक्ष्य ही था? अथवा पहलगाम

‘ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूर्ण’ हो गया है, कभी कहती है, ‘यह अभी जारी है’। प्रधानमंत्री लोकसभा में स्पष्ट घोषणा करते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, जबकि रक्षा मंत्री कहते हैं आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद रोक दी गई। ऑपरेशन स्थगित है, समाप्त नहीं हुआ है। बीच में विराम भले हो, पूर्ण विराम कभी नहीं होगा। लक्ष्य पूर्ण प्राप्त होने के बाद ऑपरेशन जारी कैसे? यह समझ से परे है? अथवा लक्ष्य प्राप्ति के बाद ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्य को विस्तारित (एक्सपेंडेड) किया जाकर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अब भी ‘कन्टीन्यू’ (जारी) है। क्या मात्र 9 लॉन्चिंग पैड्स को नष्ट हो जाने से पाकिस्तान स्थित समस्त आतंकी लॉन्चिंग पैड्स रहे हैं आतंकी गतिविधियां संचालित होती हैं, नष्ट हो गई? क्योंकि अल जजीर ने भारतीय सेना के नक्शे के हवाले से 21 आतंकी शिवरों को चिन्हित करने की बात कही है। शायद

इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर बदस्तूर जारी है? 11 मई के बाद अभी तक ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के अंतर्गत क्या और कार्रवाई हुई? देश के नागरिकों को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई? पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के स्थगित किए जाने के बाद 12 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में स्पष्ट कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई की जाकर भारत की बेटियों का सिंदूर मिटाने वालों को मिट्टी में मिला दिया गया है। साथ ही यह साफ कर दिया ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित (विराम) है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री विदेश मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों के ऑपरेशन सिंदूर के रोक जाने के बाद किया गया कथन से स्पष्ट है ‘ऑपरेशन सिंदूर’ अपने लक्ष्यों को पाने में पूरी तरह से सफल रहा। स्पष्ट है यदि ऐसा है, तो फिर ‘पहलगाम

हत्याकांड के लिए जिम्मेदार चार अथवा पांच आतंकियों को समाप्त करने के लिए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के अतिरिक्त लाया गया ऑपरेशन महादेव’ विशिष्ट ऑपरेशन था, जो भी सफल रहा। अब सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जिस प्रकार ऑपरेशन सिंदूर की घोषणा की थी, वैसे ही घोषणा ‘ऑपरेशन महादेव’ की क्यों नहीं की गई? क्या खुफिया ऑपरेशन होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से नहीं दी गई? एक प्रश्न और जेहन में आता है कि अभी भी घटना के जिम्मेदार 1-2 आतंकी जीवित हैं, तो क्या उनके लिए अगला एक नया ऑपरेशन और चलेगा? जिसका नाम शायद ‘ऑपरेशन गणेश’ हो सकता है। वैसे देश की मुख्याधारा मीडिया की भी यह बतलाने में रुचि नहीं दिख रही कि ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंदूर के बीच क्या संबंध है? (साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

(जन्म दिवस 7 अगस्त के अवसर पर विशेष लेख)

राजेन्द्र माथुर: पत्रकारिता में राष्ट्रवाद के प्रणेता

■ आलोक मेहता

राजेन्द्र माथुर का जन्म 7 अगस्त, 1935 को मध्यप्रदेश के धार जिले की बदनावर तहसील में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा धार में हुई। इंदौर से उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। अंग्रेजी साहित्य और दर्शन में गहरी रुचि रही। शिक्षा पूरी होने के पहले ही 1955 में इंदौर की ‘नई दुनिया’ में लिखना प्रारंभ कर दिया। 60 के दशक में उनके साप्ताहिक लेख ‘पिछला सप्ताह’ बहुत प्रसिद्ध हुए। 1970 तक वह इंदौर में एक कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य का अध्यापन भी करते रहे। 1970 में उन्होंने कॉलेज में अध्यापन-कार्य छोड़ दिया और ‘नई दुनिया’ के संपादन विभाग में आ गए। 1980 में उन्हें द्वितीय प्रेस आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया। 1981 में ‘नई दुनिया’ के प्रधान संपादक बने। अक्टूबर 1982 में दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय दैनिक ‘नवभारत टाइम्स’ के प्रधान संपादक का पद संभाला। 9 अप्रैल 1991 को उनका आकस्मिक निधन हो गया।



मूर्धन्य पत्रकार राजेन्द्र माथुर के लेखन की समय सीमा तय नहीं हो सकती। इतिहास की परतें निकालने के साथ 21वीं सदी की रेखाओं को असाधारण ढंग से कागज पर उतार देने की क्षमता भारत के किसी हिंदी संपादक में देखने को नहीं मिल सकती। इसलिए 1963 से 1969 के बीच राजेन्द्र माथुर द्वारा लिखे गए लेख आज भी सामयिक और सार्थक लगते हैं। अगस्त, 1963 में उन्होंने लिखा था- ‘हमारे राष्ट्रीय जीवन में दो बुराईयां घर कर गई हैं जिन्होंने हमें सदियों से एक जाहिल देश बना रखा है। पहली तो अकर्मण्यता, नीतिहीनता और संकल्पहीनता को जायज ठहराने की बुराई, दूसरी पाखंड की बीमारी, वचन और कर्म के बीच गहरी दारार की बुराई।’ कलम के सिपाहियों का महानायक सेनापति संपादक ही कहा जा सकता है। जमाना तलवार, तोप, टैंक, लड़ाकू विमान या जहाज अथवा मिसाइलों का हो, सेनापति निरंतर तैयारी करते हैं। उन्हें युद्ध अवश्य लगातार नहीं करने होते लेकिन संपादक का वैचारिक द्वंद्व व्यूह रचना, अनिर्णय कलम के चमत्कार दिखाते हुए अपनी संपादकीय टीम को निरंतर सजग, सटीक, संयमित धारदार, ईमानदार, निष्पक्ष और सफल बनाने की चुनौती हर दिन बनी रहती है। सैनिकों के घाव दिखते ही उपचार की व्यवस्था होती है। लेकिन संपादक के घाव-दर्द को देखना-समझना आसान नहीं और उपचार भी बहुत कठिन। कलम के चमत्कार देखकर लाखों-करोड़ों लोग अभिभूत होते हैं- प्रशंसा करते हैं, असहमत रहने पर आलोचना भी करते हैं। संपादक की निष्पक्षता और गरिमा से उन्हें ‘स्टार’ मानते हैं। लेकिन उनके संघर्ष की भनक बहुत कम लोगों को मिलती है।

आधुनिक भारत के श्रेष्ठतम हिन्दी संपादकों में अग्रणी अपने संपादक राजेन्द्र माथुर से जुड़ी संघर्ष यात्रा की एक झलक पेश करना जरूरी है। इंदौर के प्रतिष्ठित कॉलेज में प्राध्यापक रहते हुए राजेन्द्र माथुर ने प्रदेश के प्रमुख अखबार ‘नई दुनिया’ में लिखना प्रारंभ किया। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मामलों पर उनकी टिप्पणियों ने पाठकों को ही नहीं प्रबंधकों और उनके वरिष्ठतम पार्टनर प्रधान संपादक राहुल बारपुते को भी चमत्कृत कर दिया। इसलिये 1970 में अखबार की पृष्ठ संख्या 8 से 12 तक रखने के लिए संपादकीय विस्तार के साथ राजेन्द्र माथुर को प्राध्यापक की नौकरी छोड़ पूर्णकालिक संपादक के रूप में जोड़ लिया गया। कुछ ही महीनों बाद एक वर्कशॉप में लिखित प्रतियोगिता के आधार पर मुझे उज्जैन के अंशकालिक संपादकता के बजाय इन्दौर में संपादकीय विभाग में उप संपादक-संपादकता की तरह जुड़ने का प्रस्ताव मिला। इतनी कम उम्र में इतना आकर्षक प्रस्ताव स्वीकारना भी था। राजेन्द्र माथुर को इंदौर ‘नई दुनिया’ में रखने के लिए 1981 में प्रधान संपादक बना दिया गया। लेकिन उन्हें भी अखबार के विस्तार के बिना छटपटाहट होती रही। 1990 या 2000 के बाद जो लोग संपादक के वर्चस्व का मुद्दा उठाते हैं, उन्हें ऐसे तथ्यों पर भी देखना चाहिए कि अज्ञेय, राजेन्द्र माथुर, मनोहर श्याम जोशी, एस. निहाल सिंह, कुलदीप नैयर, बी.जी. वर्गीज, खुशवंत सिंह जैसे नामी संपादकों को भी प्रबंधकीय सीमाओं से निपटना पड़ा था और ढेर सबेरे संस्थान छोड़ने भी पड़े।

मैं 1971 में दिल्ली आया। हिन्दुस्थान समाचार, साप्ताहिक हिन्दुस्तान में काम करने के बाद जर्मनी रैंडियो (डॉयचे वेले) के हिन्दी विभाग का संपादक रहने के बाद 1982 में दिल्ली वापस आया। राजेन्द्र माथुर अक्टूबर 1982 में नवभारत टाइम्स के संपादक बनकर आ गए। उन्होंने मेरी खबरें नवभारत टाइम्स में छापनी शुरू कर दीं। स्वाभाविक है कि माथुर साहब तो अखबार के कायाकल्प के लिए आए थे। उन्होंने पुरानी मशीनों की तरह घिसी-पिटी पत्रकारिता को बदलने के लिए सारे मोर्चे खोल दिए। लगभग एक वर्ष के अंतराल में मुझे विशेष संपादकता के रूप में नवभारत टाइम्स में लाए। राजेन्द्र माथुर की विशेषता यह थी कि राजनेता या प्रबंधकों के विचार या संबंध कैसे भी हों, अपनी बात की निष्पक्षता और पैनेपन में कमी नहीं आने देते थे।

अपने से जुड़े दो-तीन किस्से। सत्ता से जुड़े चन्द्रास्वामी का असली नाम नेमीचन्द्र जैन था। इसलिये टाइम्स के मालिक जैन परिवार से भी उसने अपने थोड़े संबंध जोड़ लिए थे और कभी कभार उनके बंगले के गेस्ट रूम में ठहर भी जाता था। एक बार मैंने चन्द्रास्वामी के राजनीतिक षडयंत्रों को उजागर करने वाली

विस्फोटक खबर लिखी। पहले समाचार संपादक पारसदास जैन की नजर पड़ी। वह दौड़ते हुए मेरी मेज के पास आकर बोले- ‘जानते हैं यह कौन है?’ मैंने सहजता से कहा- ‘हां, वर्षों से जानता हूँ- राजनीतिज्ञों को ठाने वाला चन्द्रास्वामी।’ समाचार संपादक ने झुंझलाते हुए कहा- ‘अरे भाई, जरा समझो- यह जो भी हो- मालिकों के गेस्ट हाउस में भी रहता है। समझते हो छपने पर क्या होगा?’ मैंने फिर सहजता से उत्तर दिया- ‘क्या होगा- यह माथुर साहब जानें।’ समाचार संपादक ने माथुर साहब के सामने जाकर अपनी बात कही और रिपोर्ट की कापी दिखा दी। माथुर साहब ने पढ़कर बिना कुछ काटे ‘टिक’ लगाया और कहा कि आप इसे छाप दीजिए। अब उनसे बहस की हिम्मत किसे होती? अब वैसे एक नहीं, कम से कम पांच-सात खबरें चन्द्रास्वामी के भंडाफोड़ पर छपीं।

दूसरा किस्सा राष्ट्रपति भवन से जुड़ा हुआ है। ज्ञानी जैल सिंह राष्ट्रपति थे। वह हिन्दी के संपादकों और पत्रकारों के साथ बड़ा सम्मान और स्नेहमय व्यवहार रखते थे। नवभारत टाइम्स के संपादक के नाते राजेन्द्र माथुर की इज्जत करते थे और नियमित रूप से अखबार भी पढ़ते थे। पंजाब में आतंकवादी घटनाएं बढ़ने के बाद मैंने नवभारत टाइम्स के लिए एक रिपोर्ट लिखी जिसमें राष्ट्रपति भवन में आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े एक व्यक्ति को अतिथि कक्ष में रखे जाने जैसी गंभीर सूचनाओं का विवरण था। माथुर साहब ने उस रिपोर्ट में भी एक पंक्ति नहीं काटी और पहले पृष्ठ पर प्रमुखता से खबर छप गई। सीधे ज्ञानीजी को उत्तरदायी नहीं ठहराया गया था लेकिन राष्ट्रपति भवन के प्रेस सचिव ज्ञानीजी के वरिष्ठ विश्वसनीय सहयोगी का नाम उसमें आया था। यह खबर भी सरकार के ही प्रवर्तन निदेशालय द्वारा न्यायालय तक पहुंचाए गए प्रकरण से ली गई थी। इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं था लेकिन भारत में संभवतः यह पहला अवसर था जबकि सीधे राष्ट्रपति भवन और आतंकवादी गतिविधियों के सूत्रों की सनसनीखेज रहस्योद्घाटन किसी अखबार प्रकाशित हुआ। हंगामा स्वाभाविक था। अगले दिन प्रधान संपादक के अलावा कंपनी के अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक तक राष्ट्रपति भवन से नाराजगी पहुंचाई गई। लेकिन वह राजेन्द्र माथुर ही थे जिन्होंने इस मुद्दे पर निरुत्तरा दिखाई और किसी तरह की क्षमा-याचना या भूल सुधार जैसी बात नहीं छपी।

चन्द्रशेखर के प्रधानमंत्री बनने पर टाइम्स संस्थान के एक कार्यक्रम में उनकी ही उपस्थिति में माथुर साहब ने अपने भाषण में कुछ व्यंग्यात्मक टिप्पणियां कर दीं। जे.पी. आंदोलन और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के समर्थक होने के बावजूद चन्द्रशेखर सरल सहज स्वभाव से की गई टिप्पणी को बदरिश नहीं कर सके और अगले दिन प्रबंधकों के समक्ष अपना कड़ा विरोध प्रकट किया। प्रबंधकों ने उनकी नाराजगी माथुर साहब तक पहुंचाई। संवेदनशील माथुर साहब को यह जानकर बेहद दुःख हुआ। उन्हें चन्द्रशेखर से ऐसी उम्मीद नहीं थी। वह अंदर ही अंदर दुःखी रहे। दूसरी तरफ विश्वनाथ प्रताप सिंह और चन्द्रशेखर के साथ अच्छे संबंध रखने वाले संपादकीय सहयोगी अपने ढंग से प्रबंधन के समक्ष माथुर साहब के नेतृत्व को लेकर अपनी असहमतियां भी बताते रहे। दुर्भाग्य यह था कि जिन वरिष्ठ सहयोगियों को माथुर साहब ने ही अखबार के साथ जोड़ा था, वे अपने निजी स्वार्थों में पहुंचने से निवृत्त-अनजाने माथुर साहब को किनारे करने के अभियान चलाते रहे।

नवभारत टाइम्स में व्यापक बदलाव से हिन्दी पत्रकारिता को एक नई दिशा मिल रही थी। राजेन्द्र माथुर के प्रस्तावों और प्रयासों को प्रबंधन का समर्थन मिल रहा था। इसलिए लखनऊ, पटना और जयपुर से भी अखबार के संस्करण शुरू हुए। मुंबई में तो पहले से ही संस्करण था। माथुर साहब दफ्तर के अंदर और सार्वजनिक मंचों से भी यह कहते रहे कि कोई अखबार राष्ट्रीय अखबार होने का दावा तभी कर सकता है, जबकि देश के अधिकांश राज्यों में उसके संस्करण हों। 1990 के आसपास कुछ सहयोगियों ने समीर जैन के दिमाग में यह विचार फूँका कि नवभारत टाइम्स के साथ-साथ टाइम्स ऑफ इंडिया की भी सामग्री बाजार में पहुंचाने के लिए टाइम्स का एक हिन्दी संस्करण अलग से निकाला जाए। उस समय नवभारत टाइम्स में टाइम्स की एकाध कोई विशेष खबर होने पर अवश्य छप जाती थी, लेकिन अपनी मौलिकता बनाई हुई थी। सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने तो एक बार यह सुझाव दिया था कि माथुर साहब एक बड़े बुद्धिजीवी संपादक हैं इसलिए उन्हें नवभारत टाइम्स के बजाय रीडर्स डाइजैस्ट जैसी एक श्रेष्ठतम पत्रिका निकालने का दायित्व सौंप दिया जाए। लेकिन धर्मगुग और दिनमान के रहते कंपनी के अध्यक्ष या कार्यकारी निदेशक इस तरह की पत्रिका के लिए सहमत नहीं हो सकते थे। तब टाइम्स के अनुदित अखबार के लिए बड़ी चतुराई से माथुर साहब द्वारा ही लागू गए सहायक संपादक विष्णु खरे को आगे बढ़ा दिया गया। विष्णु खरे के साथ दो सहायक संपादकों की भी नियुक्ति कर दी गई। अनुदित अखबार की इस योजना के लिए राजेन्द्र माथुर से किसी तरह का विचार-विमर्श नहीं होता था। अपने ही संस्थान में इस तरह

के अखबार निकाले जाने की तैयारी पर माथुर साहब और रमेशचन्द्र जैन बेहद दुःखी थे। यह अप्रसन्नता कंपनी के अध्यक्ष अशोक जैन तक भी पहुंची और कुछ महीनों के बाद इसे पूरी तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। वह अनुदित अखबार कभी नहीं निकला।

पटना का संपादक रहते हुए मैंने बहुचर्चित चारा कांड का भंडाफोड़ करने वाली प्रामाणिक और दस्तावेजी खबरें सबसे पहले नवभारत टाइम्स में ही छापीं। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के समर्थकों ने टाइम्स की प्रिंटिंग यूनिट पर हमला कर आग लगाने का प्रयास भी किया। लेकिन राजेन्द्र माथुर की संपादकीय दृढ़ता का ही नतीजा था कि मुझे या किसी संपादकीय सहयोगी को प्रबंधन से कभी किसी हस्तक्षेप या विरोध की सूचना नहीं मिली।

माथुर साहब के लेखन में गांधी, नेहरू, मार्क्स, लोहिया के विचारों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। आप उन्हें किसी धारा से नहीं जोड़ सकते। वह भारतीय परंपराओं और संस्कृति का हवाला देते हुए संकीर्णता की बेंड़ियां काट आधुनिक दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर देते रहे। वह सभ्यता को अक्षुण्ण रखने के लिए जंगली जिंदादिली को जरूरी मानते थे। माथुर साहब ने देश के संपादकों की संस्था एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के महासचिव के रूप में भी पत्रकारिता के आदर्श मूल्यों तथा अभिव्यक्ति की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजेन्द्र माथुर ने फरवरी 1990 में ‘नवभारत टाइम्स’ के पटना संस्करण से जुड़े मेरे सहयोगी पत्रकारों के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने सहज अंदाज में कहा था: ‘जीवन से ज्यादा चरित्र महत्वपूर्ण माना जाता है। जिंदगी क्या है, आदमी मर जाना पसंद करेगा, लेकिन अपने यश का मर जाना मर जाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। किसी की यश-हत्या कोई आसानी से कैसे कर सकता है।’

1981 से 1991 के बीच पूरे दशक में भारतीय राजनीति और सामाजिक बदलाव के दौर में माथुरजी के द्वारा लिखे गए लेख निश्चित रूप से पत्रकारिता के इतिहास में सदैव याद रखे जाएंगे। इस दौर में पंजाब का आतंकवाद चरम सीमा पर पहुंचा और ‘ब्ल्यू स्टार आपरेशन’ के बाद श्रीमती इंदिरा गांधी की निर्मम हत्या हुई। फिर



राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह तथा चंद्रशेखर सत्ता में आए। देश के दशक के इतिहास ने इस अवधि में अनेक करवटें लीं। आर्थिक उदारीकरण का सिलसिला भी इन्हीं वर्षों में शुरू हुआ। रूस, चीन और अमेरिका जैसे देशों में भी बड़ी उथल-पुथल हुई। माथुर साहब ने हर घटना में आशा की एक नई किरण दिखाई। सिद्धांतपरक राजनीति में उनकी गहरी आस्था के कारण ही उन्होंने लिखा: ‘यूरोप में भले ही विचारधारा की लड़ाइयां खत्म हों और इतिहास का अंत हो गया हो, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप में इतिहास का अंत अभी नहीं हुआ, क्योंकि सारा खेल लंबी प्रतीक्षा का है। इसलिए जिसका धैर्य टूटेगा, वह हार जाएगा।’ यह माथुर साहब की दूरदर्शिता थी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान द्वारा

परमाणु बम बनने से पंद्रह वर्ष पहले ही लिख दिया था: ‘आज नहीं तो कल पाकिस्तान और भारत दोनों के पास एटम बम होगा और हमें सोच रखना चाहिए कि तब क्या होगा?... एटम बम तैयार कर लेने के बाद दोनों देशों का अपना घर ज्यादा संभालना होगा। संभले हुए देश की एकता को एटम बम मजबूत करेगा, लेकिन टूटते देश की टूटन को वह अधिक सुगम बना सकता है...।’

राजीव गांधी की निर्मम हत्या के बाद जब कई पत्रकार देश के टूटने तक की बात लिख रहे थे, तब माथुर साहब ने लिखा- ‘वरदान है अस्थिरता की भविष्यवाणियां।’ इसी शीर्षक से एक लेख में उन्होंने कहा- ‘विनोबा ने एक धर्मग्रंथ का हवाला देते हुए कभी पूछा था कि यदि आपको यह जानकारी हो कि कल ही मरना है तो आज का दिन आप कितनी सात्विक हड़बड़ी में बिताएंगे? और उन्होंने सलाह दी थी कि आदमी को अपनी जिंदगी का हर दिन इसी अहसास के साथ जीना चाहिए कि यही आखिरी दिन है...।खिलकर मुझसे वाली कुमुदिनी तीन सौ साल तक खड़े रहने वाले बरगद से कहीं ज्यादा सुंदर है। यदि खिले हुए फूल की पंखुड़ियों पर इस फिक्र की सलवटे पड़ने लगी कि सारी खूबसूरती आनी-जानी है तो बताए इस संसार का क्या होगा!’

इस तरह के विचार लिखते समय माथुर साहब को क्या कभी यह महसूस होता था कि अचानक भारतीय पत्रकारिता का सूर्य सुदूर बादलों में कहीं छिप जाएगा? किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सैकड़ों पत्रकारों को अदम्य विश्वास देने वाला सहानुभाव केवल 56 वर्ष की आयु में अचानक उनके बीच से चला जाएगा। ‘नवभारत टाइम्स’ और ‘दिनमान टाइम्स’ में नियमित रूप से छप रहे माथुर साहब के लेखों पर देश-भर में बड़ी संख्या में पाठकों के पत्र आते थे। एक दिन अचानक खबर मिली कि वह अनंत विश्राम के लिए चले गए हैं और उनके दर्शन अब कभी नहीं होंगे। यह हम सबके लिए निजी आघात तो था ही, संपूर्ण हिंदी पत्रकारिता के लिए एक सुनहरे अध्याय पर आकस्मिक पटाघाट जैसी स्थिति थी। (लेखक एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष हैं)

ग्राम पंचायत अम्बाई में भ्रष्टाचार का खेल: न सामान आया न सड़क बनी और हो गया भुगतान

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज अंतर्गत ग्राम पंचायत अम्बाई में सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। गांव में बंगले वाले पीपल से डीपी तक सीसी सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति हुई थी, जिसकी कुल लागत एक लाख 96 हजार निर्धारित थी। कार्य स्वीकृति की तारीख के करीब 13 महीने बाद, निर्माण सामग्री (मटेरियल) के नाम पर एक लाख पांच हजार रूपए की सौट निकाल लिए गए। खास बात यह है कि न तो कोई सामग्री खरीदी गई और न ही सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरी राशि सरपंच, सचिव और उपयंत्री के बीच बंटरबांट कर हड़प ली गई है। कागजों में

ग्राम पंचायत का कार्यालय

काम चल रहा है दिखाकर वास्तविकता से जनता को अंधेरे में रखा गया। इस घोटाले पर ग्राम पंचायत अम्बाई के उप सरपंच हेमराज ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि हमारी सरपंच वृद्धा हैं, पंचायत का पूरा कामकाज उनका बेटा देखता है जो अधिकारियों से मिलीभगत कर भ्रष्टाचार कर रहा है। न तो हमें कभी भुगतान की जानकारी दी जाती है, न ही कार्य स्थल पर कोई सामग्री नजर आई है। एक ही दुकानदार के नाम से बिल लगाकर उसी के खाते में भुगतान किया जा रहा है।

जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

इस पूरे मामले में सरपंच पुत्र धर्मचंद जो कि सरपंच के स्व घोषित प्रतिनिधि की तरह काम कर रहे हैं। जल्द सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन नींद से जागता है या भ्रष्टाचार की यह फाइल भी धूल फांकी रहेगी।

मामले की जानकारी लेंगी

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज की उप यंत्री रानी अहिरवार ने सिर्फ इतना कहा कि वे पूछ कर बता पाएंगी कि अभी तक काम क्यों शुरू नहीं हुआ है। भुगतान मटेरियल के लिए किया गया है तो सामान मौके पर होना चाहिए।

मेकल महिला मेहरा गुप की महिलाओं ने धूमधाम से मनाया हरियाली महोत्सव

नर्मदापुरम। मेकल महिला गुप नर्मदापुरम द्वारा वाटिका पैलेस में हरियाली महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने शिव पार्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मेकल महिला गुप की अध्यक्ष पुष्पलता बामनिया ने अर्चना मेहरा, ज्योति डेहरिया, प्रतिभा निवारिया क्षमा मेहरा, मेघा एवं मेकल महिला गुप की सभी महिलाओं का सम्मान किया। पुष्प लता बामनिया ने स्वागत भाषण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन अर्चना मेहरा ने किया। हरियाली महोत्सव पर गुप की सभी महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। गीत, भजन प्रस्तुत किये। नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने भजन गाया। मेघा डेहरिया ने कविता सुनाई। एकल नृत्य में कृष्णा गढ़वाल, प्रतिभा निवारिया, क्षमा मेहरा, दीक्षा बामनिया, मनीषा पवार, प्रीति बाउसिया, गीता पठारिया हर्षा पठारिया, ज्योति पठारिया ने प्रस्तुति दी। समूह नृत्य में शीला मेहरा व सभी महिलाओं ने प्रस्तुत दी। डॉक्टर अनीता डेहरिया, विनाका यादव भी उपस्थित रही। महिलाओं को क्षमा मेहरा द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके बाद कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। अंत में ज्योति डेहरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्रोजेक्ट कोड कम्प्यूटर प्रशिक्षण का समापन

नर्मदापुरम। कार्यालय आयुक्त तकनीकी शिक्षा भोपाल के आदेशानुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में प्रोजेक्ट कोड कम्प्यूटर प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनसामान्य को कम्प्यूटर संसाधनों और इंटरनेट सुविधाओं का उपयोग करने के लिए सक्षम किया गया। प्रोजेक्ट कोड कम्प्यूटर प्रशिक्षण का उद्देश्य जनसामान्य को कम्प्यूटर संसाधनों और इंटरनेट सुविधाओं का उपयोग करने के लिए सक्षम करना था। इस प्रशिक्षण में कम्प्यूटर से संबंधित शिक्षा प्रदान की गई और जनसामान्य के उपयोग के लिए उपलब्ध करवाया गया। प्रशिक्षण के समापन समारोह में 50 से अधिक प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र का वितरण प्राचार्य डॉ. पी.सी. नरवरे और नोडल अधिकारी श्री देवेश तिवारी और आर.आर. चन्द्राकर के माध्यम से किया गया। प्राचार्य और नोडल अधिकारियों ने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और रोजगार प्राप्त करने में कोर्स की महता को बताया।

अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का किया स्वागत

गंजबासोदा। करणी सेना की बासोदा इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का सर्व समाज द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी, युवा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नवनियुक्त अध्यक्ष धर्मेश सिंह राजपूत एवं उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह राजपूत का स्वागत पुष्पमालाओं शीत एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने करणी सेना की समाज सेवा संस्कृति संरक्षण एवं युवा जागृति में निभाई जा रही भूमिका पर प्रकाश डाला। अपने स्वागत से अभिभूत होकर अध्यक्ष धर्मेश सिंह राजपूत ने कहा मैं समाज की सेवा को ही अपना प्रथम कर्तव्य मानता हूँ। करणी सेना के माध्यम से हम सामाजिक न्याय संस्कृतिक विरासत की रक्षा एवं युवाओं को संगठित करने का कार्य करते रहेंगे। उपाध्यक्ष सुदर्शन ने भी संगठन की मजबूती एवं सामाजिक समरसता की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। संचालन लोकेंद्र ठाकुर ने एवं आभार जगदीश सिंह द्वारा किया गया।

निष्पक्ष जांच के लिए एसडीएम से मिले शिक्षक संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी

गंजबासोदा। विगत दिनों नगर शाला की प्रभारी शिक्षिका और स्व सहायता समूह संचालक के मध्य विवाद को लेकर समूह द्वारा प्रभारी की शाकायत उच्च अधिकारियों को की गई थी। मोर्चा के पदाधिकारी पूरे मामले की जानकारी ले कर निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एसडीएम विजय राय से मिले। एसडीएम ने पूरी बात सुनकर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। ज्ञापन में संयुक्त मोर्चा जिलाध्यक्ष पृथ्वी सिंह रघुवंशी, अमर सिंह तोमर, संजीव रघुवंशी, विनोद श्रीवास्तव, नीलम रघुवंशी, सुरेश शर्मा राजा कादरी, संदेश मिश्रा, लंपूराम अहिरवार, नारायण सिंह रघुवंशी, संजय अहिरवार अरुण पांडे, अरुण रघुवंशी आदि शामिल थे।

शहर में खुले में रखी मिलीं मिठाइयां, कई दुकानों से सैंपल लेकर सामग्री की जब्त

सालभर जिम्मेदारों की चुप्पी और अब त्यौहार के पहले सक्रियता, दुकानों का किया निरीक्षण

शोभित शर्मा। सिरोंज

त्यौहारी सीजन में खाद्य विभाग का अमला एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इनकी सक्रियता सिर्फ इन्हीं दिनों में दिखाई देती है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुदसिया खान और शहर पटवारी अभिषेक पटेरिया अपनी टीम के साथ शहर की 20 से अधिक मिठाई और नाश्ते की दुकानों पर पहुंचे। अधिकारियों के निर्देश पर सबसे पहले यह टीम नया बस स्टैंड पर पहुंची। यहां पर कई दुकानों पर बिना ढंके ही खाद्य सामग्री बेची जा रही थी। मिठाइयों पर मखियां बैठी थीं। वहीं कुछ दुकानदार बेखौफ होकर घरेलू सिलेंडर का उपयोग कर रहे थे। खाद्य अधिकारी ने दुकानदारों को सभी प्रकार की खाद्य सामग्रियों को ढंक कर रखने और घरेलू की जगह व्यवसायिक सिलेंडर का उपयोग करने की हिदायत दी। बस स्टैंड के अलावा यह टीम शहर के मुख्य बाजार और छतरी नाका चौराहे पर स्थित होटलों और मिठाई की दुकानों पर भी पहुंची।

बेखौफ विक्रेता, कोई नहीं है देखने वाला

उल्लेखनीय है कि शहर में मिठाई, नाश्ता और किराना दुकानों के संचालक बिना किसी भय के मनमानी से काम करते हैं। इन दुकानों पर बिकने वाली पैकबंद सामग्री की जांच कभी-कभार ही की जाती है। मिठाई की दुकानों पर न तो खाद्य सामग्री पर किसी तरह की तारीख दिखाई देती है और न ही उनकी शुद्धता की परख का कोई नियम होता है। त्यौहारी सीजन में शहर के अनेक मावा विक्रेता देसी मावा के नाम पर बेखौफ होकर नकली मावा भी बेच रहे हैं लेकिन वे सभी प्रशासन की पकड़ के बाहर हैं। इसी तरह कई दुकानों पर पैकबंद नमकीन भी बेचा जाता है। यह नमकीन कितने दिनों से पैक है, इसकी जांच भी कोई नहीं करता। शहर में 50 से अधिक फुल्की और चाट के ठेलों पर लोगों को केसी और कितनी शुद्ध सामग्री खिलाई जा रही है, इसकी जांच भी नहीं होती। ऐसी ही मनमानी दुकानदार घरेलू गैससिलेंडर के दुकानों पर उपयोग करने में भी करते हैं।

जानकारी मिलते ही सक्रिय हुए दुकानदार

खाद्य विभाग द्वारा जांच करने की जानकारी तुरंत ही शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थित मिठाई, नमकीन और नाश्ते की दुकानों का संचालन करने वाले दुकानों तक पहुंच गई। इसका असर यह हुआ कि जब अधिकारी अन्य स्थानों पर जांच करने के लिए पहुंचे तो उन्हें वहां पर खाद्य सामग्री ढंकी हुई ही मिली। इस बीच खाद्य अधिकारी ने छतरी नाका चौराहे पर एक दुकान से मावा बाटी और मावा बर्फी का सैंपल भी जब्त किया। खाद्य विभाग की जांच टीम के आने की जानकारी लगने पर किराना दुकानदार भी दिनभर चौकन्ने बने रहे और उनके कर्मचारी गिगरानी करते दिखाई दिए।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा निकाली जा रही भव्य कांवड़ यात्रा कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से व्यवस्था चरमराई

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा निकाली जा रही भव्य कांवड़ यात्रा

कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से व्यवस्था चरमराई

सिहोर। सिहोर के कुबेरेश्वर धाम में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा में शामिल होने देशभर से श्रद्धालु सिहोर पहुंच गए हैं। हालात बिगड़ गए हैं, चारों तरफ भीड़ ही भीड़ नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को सुबह से ही भारी भीड़ के कारण इंदौर-भोपाल स्टेट हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया है। अमलाहा से लेकर आष्टा तक हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाइन लगी है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था से लेकर सुरक्षा के तमाम इंतजाम किए हैं। वे जाम को खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं रूट डायवर्ट करके भी लोगों को इंदौर-भोपाल भेजा जा रहा है।

इससे पहले मंगलवार को भारी भीड़ के कारण कुबेरेश्वर धाम में भागदड़ हो जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई थी, जबकि 10 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए थे। जिनका इलाज अब भी अस्पताल में चल रहा है। बता दें कि भीड़ अधिक बढ़ने के कारण सिहोर जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग चुका है।

मेट्रो एंकर आकर्षक झूलों ने मोह भक्तों का मन, रक्षाबंधन तक बना रहेगा उत्साह

फूलों के बंगले में विराजे मदनमोहन सरकार

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के राम और कृष्ण मंदिरों में झूलोत्सव का उत्साह और उल्लास चरम पर दिखाई दिया। शहर के 15 से अधिक मंदिरों में हरियाली तीज से झूले डाले गए हैं। हर दिन शाम होते ही इन झूलों में ठाकुर जी और राधारानी की प्रतिमा को स्थापित किया जाता है। आरती के उपरांत भगवान के दर्शन का सिलसिला शुरू होता है, जो देर रात तक चलता रहा है। उत्सव के क्रम में गत दिवस झूलों की ग्यारस पर्व मनाया गया।

खीर और रबड़ी का प्रसाद

सभी मंदिरों में विशेष प्रसादी वितरण का प्रबंध भी किया गया था। अधिकांश मंदिरों में खीर तो कई मंदिरों में रबड़ी की प्रसादी का वितरण किया गया। मंदिरों में उल्लास का यह वातावरण रक्षाबंधन तक बना रहेगा। जिन मंदिरों में झूलोत्सव के कार्यक्रम हो रहे हैं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हर मंदिर पर आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए उमड़ रहे हैं।

गिरधारी जी मंदिर में हुआ सुंदरकांड झूलोत्सव में मंदिरों में सुंदर कांड पाठ और भजनों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्राचीन गिरधारी जी मंदिर में राजेश नेमा (मुन्ना) की मंडली ने सुमधुर संगीतमयी भजनों की प्रस्तुति दी। देर रात तक मंदिरों में भजनों का सिलसिला चलता रहा।

ग्यारस होने के कारण झूलों में का मनभावन श्रृंगार मंदिर समितियों द्वारा किया गया था। शाम होते ही

पश्चिम मध्य रेल

शुदिपत्र संख्या 31/2025

निविदा सं. 40252744 जिसके खुलने की तिथि 25/08/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/88/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं-
Tender No. & short Description: 40252744 **Description:** वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड बैटरी.
Tender Opening Date: Existing Value: 70AH, 110V, Valve Regulated Lead Acid% A0 (VRLA) Sealed Maintenance Free (SMF) battery (9 Nos x 12V) as per RDSO Spec No. RDSO/PE/SPEC/AC/0009-2014 (Rev. 2).
Modified Value: 70AH, 110V, Valve regulated Lead Acid (VRLA) Sealed Maintenance Free (SMF) battery (9 Nos x 12V) as per RDSO Spec. No. RDSO/PE/SPEC/AC/0009 2014 (Rev 2) अद्वतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट <https://www.ireps.gov.in> देखें।

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

बड़ा हादसा टला: कॉलेज के विद्यार्थियों को ले जा रही थी स्कूल के लिए रजिस्टर्ड बस

स्कूल वाहन के ब्रेक हुए फेल, कोतवाली थाने की रेलिंग से टकराई, दो छात्राएं और टीचर घायल

सागर। दोपहर मेट्रो

स्कूली बस के ब्रेक फेल हो जाने से बस कोतवाली थाने की रेलिंग जा टकराई। शहर के बीच व्यस्ततम इलाके में हुई इस दुर्घटना के बाद बस में चीख पुकार मच गई। हालांकि घटना में कोई जन हानि नहीं हुई,लेकिन दो छात्राएं व एक शिक्षिका को चोटें आईं जिन्हें डायल 100 से अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर आरटीओ ने बस का फिटनेस प्रमाण पत्र को निरस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार दिल्ली पब्लिक स्कूल नरसिंहपुर रोड मकरोनिया के नाम पर रजिस्टर्ड स्कूल वाहन एमपी15पीए0485 ज्ञान सागर कॉलेज के विद्यार्थियों को लेकर बड़ा बाजार की ओर से तीनबत्ती आ रही थी, इसी दौरान कोतवाली के सामने बस के ब्रेक फेल हो गए और वह सीधे कोतवाली के रेलिंग से टकरा गई। दुर्घटना ग्रस्त होने पर बस के फिटनेस प्रमाण पत्र को निरस्त करने के निर्देश क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को दिए गए। कलेक्टर के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने उक्त स्कूल बस का फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि बस जब स्कूल के नाम से रजिस्टर्ड है तो कॉलेज के विद्यार्थियों को कैसे ले जा रही थी।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल की स्कूल बस शहरी क्षेत्र में स्कूली बच्चों को स्कूल ले जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है। उक्त बस को मरम्मत के बिना संचालित किया



जा सकना संभव नहीं है। मोटरयान अधिनियम 1988 के अनुसरण में फिटनेस प्रमाण पत्र ऐसे समय तक के लिए रद्द किया गया है जब तक कि बस की मरम्मत न हो जाये और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा यांत्रिकी दृष्टि से फिट न मान्य कर लिया जाये। उन्होंने बताया कि इस बस के संबंध में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र और प्रदान किया गया कोई लाइसेंस भी उस समय तक निलंबित समझा जायेगा जब तक कि नवीन फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता है।

कार्रवाई: एलपीजी गैस किट से संचालित चार मारुति वैन जब

क्षमता से अधिक बिठाए थे विद्यार्थी लगाया 15 हजार रुपए का जुर्माना

सागर। सड़क परिवहन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रहीं हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूल बस, वैन में क्षमता से अधिक बच्चों को सवार किया जा रहा है। गैस किट से चल रहे इन वाहनों पर महज चालानी कार्यवाही कर कागजी खानापूर्ति की जा रही है।

आरटीओ के अमले ने स्कूली वाहनों की चेकिंग की। 24 वाहनों की चेकिंग में से 4 वैन गैस किट से चल रहीं थीं साथ ही इनमें क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मनोज कुमार तेहनगुरिया ने बताया कि स्कूली वाहन एवं अन्य वाहनों की चेकिंग संबंधी कार्यवाही की गयी। चेकिंग के दौरान 24 स्कूली वाहनों को चेक किया गया, इनमें 04 मारुति वैन एलपीजी गैसकिट से संचालित पायी गयी, जिन्हें जस किया गया है। वाहनों की एलपीजी गैस किट



तत्काल निकलवाई गई। न्यायालय द्वारा एलपीजी गैस से संचालित वाहनों को स्कूल के विद्यार्थियों को लाने ले जाने के लिए प्रतिबंधित किया गया है। इनमें क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों सवार थे, उक्त वाहनों से मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चालानी कार्यवाही करते हुए 15000 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था का रुद्राभिषेक

रुद्राभिषेक से प्राप्त होती है मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा: देवदूत



सागर। दोपहर मेट्रो

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के सागर चेयर द्वारा शहर में अलग-अलग स्थानों पर रुद्राभिषेक के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। ग्राम मनेशिया स्थित विचार संस्कार विद्यालय में रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। यह आयोजन बैंगलोर आश्रम के ऋषि देवदूत के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

ऋषि देवदूत ने बताया कि रुद्राभिषेक एक अत्यंत प्रभावशाली वैदिक अनुष्ठान है जिसमें भगवान शिव के रूद्र रूप की पूजा विशेष विधि-विधान से की जाती है। यह अभिषेक केवल जल से नहीं, अपितु दूध, दही, शहद, घी, गन्ने का रस,

बेलपत्र, पुष्प, अक्षत आदि पवित्र वस्तुओं से किया जाता है। इससे शिवजी प्रसन्न होकर अपने भक्तों को आरोग्य, शांति, समृद्धि, दीर्घायु और आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद देते हैं। आज के समय में जब चारों ओर तनाव, चिंता और संघर्ष का वातावरण है, ऐसे में रुद्राभिषेक एक अत्यंत प्रभावकारी साधना है जो व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया ने कहा, अगर आप अपने भीतर की ऊर्जा को जागृत करना चाहते हैं तो ध्यान, प्राणायाम, सतसंग और वैदिक विधियों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

कोर्ट ने जारी किया विधायक को समन, अपने ही कार्यकर्ता को पिटवाने का लगा आरोप

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की केन्ट विधानसभा से भाजपा विधायक अशोक रोहाणी को कोर्ट ने समन जारी किया है। यह समन उनकी पार्टी के कार्यकर्ता निशांत शर्मा द्वारा दायर परिवाद के चलते जारी हुआ है। निशांत ने बताया कि जबलपुर के छवनी क्षेत्र के 25 हजार से अधिक नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए थे। इस मुद्दे पर लगातार भारत सरकार, मध्य प्रदेश सरकार और निर्वाचन आयोग से भी पत्राचार करते आ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा विरोध उन्होंने किया था।

निशांत ने आरोप लगाया कि इस

मुद्दे को लेकर 20 मार्च 2023 को उन्होंने इंडियन कॉपी हाउस, सदर में एक बैठक बुलाई थी। लेकिन उसी दिन दोपहर करीब 2-30 बजे गली नंबर 5 के पास उन पर हमला किया गया। निशांत का आरोप है कि यह हमला विधायक अशोक रोहाणी के इशारे पर हुआ और हमलावरों ने उन्हें गालियां देते हुए बुरी तरह पीटा था। साथ ही धमकी दी गई कि यदि वोटर लिस्ट के मुद्दे को फिर उठया तो जान से मार दिया जाएगा। निशांत ने इस हमले की

रिपोर्ट केन्ट थाने में दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज की गई। उसने अपनी शिकायत में विधायक अशोक रोहाणी, संदीप गौड़ और

ऋषि बावरिया के नाम बताए थे लेकिन जब उसने यह देखा कि नाम गायब हैं तो उसने इस बारे में पृच्छाछ

की। थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया कि जांच के बाद नाम जोड़े जाएंगे। लेकिन अगले ही दिन उल्टा उनके खिलाफ ही एफसी-एसटी एक्ट के तहत झूठा मुकदमा दर्ज कर दिया गया।



गया। नलजल योजना के तहत गांव में बिछी पाइपलाइन में कई स्थानों पर लीकेज से गंदा पानी समाकर पानी की टंकी में जा रहा था। पीएचई विभाग ने यहां पानी के सैंपल लेने के बाद नलजल योजना की सप्लाई बंद करवा दी है। दूषित पानी से आंत्रशोथ फैलने के कारण गांव में नलजल योजना की सप्लाई बंद करवा दी गई है। गांव में पिछले पांच दिनों से सप्लाई बंद है। पानी की टंकी से भी पानी निकाल दिया गया है। विभाग ने यहां ग्रामीणों को सिर्फ

हैंडपंप का पानी पीने की सलाह दी है। उल्टी-दस्त के प्रकोप के बीच गांव में तीन लोगों की मौत होने से हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि इनकी मौत के कारण अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हैं लेकिन ग्रामीण इससे दहशत में हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के गांव के रामकृपाल यादव (75), काशी प्रसाद कुशवाहा (65) व प्रकाश सिंह (65) की गांव में घर पर ही मौत हुई है। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।

पुलिस ने चालान में से हटा दिया था भाजपा विधायक का नाम

मेट्रो एंकर

विशाल रजक। तेन्दुखेड़ा

बुंदेलखंड के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (पुराना नौरादेही अभयारण्य) में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। बाघों की संख्या 7 साल में 11 गुना हो गई है। इनमें 65 से 70 फीसदी संख्या बाघिनों की है। बाघिन एक बार में तीन - चार शावकों को जन्म देती है। यदि दो भी जीवित रहे तो अच्छी खासी संख्या होगी। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगले पांच साल में यहां बाघों की संख्या 50 तक पहुंचने की उम्मीद है। टाइगर रिजर्व में बाघों की वंशवृद्धि के लिए यहां की आवाहवा और अनुकूल माहौल बड़ी वजह है। यह क्षेत्रफल में प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। आहार के लिए शाकाहारी वन्य जीवों



की पर्याप्त संख्या और प्यास बुझाने के लिए यहां प्राकृतिक जल स्त्रोत हैं। तीन माह पहले टाइगर रिजर्व में बाघिन एन-112 के साथ चार शावक कैमरे में कैद हुए थे। ये सभी तंदुरुस्त हैं। टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के

बाद बाघ वंशवृद्धि का यह पहला अवसर है। यहां 2018 में बाघों को बसाने की शुरुआत करते हुए एक बाघ बाघिन को छोड़ा गया था जिसके बाद वर्तमान स्थिति में बाघों की संख्या बढ़कर 25 से अधिक पहुंच गई है।

कूडो एशियन चैंपियनशिप के लिए प्रदेश के पांच खिलाड़ियों का चयन



सागर। टोकियो जापान में 1 से 4 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली कूडो एशियन चैंपियनशिप के लिए कूडो इंडिया टीम में मध्य प्रदेश कूडो एसोसिएशन के 5 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। 2 से 3 अगस्त को कूडो इंडिया टीम के ट्रायल सूरत में एथलेटिका जीमनेजीयम मे आयोजित किये गए थे। ट्रायल में मध्य प्रदेश के 5 खिलाड़ियों मोहम्मद सोहेल खान, वैष्णवी ठाकुर, अनुराग शर्मा, प्रतीक सिंह एवं जैकसन जोशी ने भाग लिया और अपने अपने वर्ग में प्रतिद्वंदियों को हराकर अपना अपना स्थान सुनिश्चित किया। सागर के कूडो खिलाड़ी मोहम्मद सोहेल खान ने सीनियर पुरुष वर्ग – 250 पी आई और वैष्णवी सिंह ने सीनियर महिला वर्ग – 240 पी आई कैटेगरी में अपना स्थान सुनिश्चित किया। कूडो इंडिया टीम 31 अगस्त को मुंबई एयरपोर्ट से कूडो इंडिया के संस्थापक एवं हेड कोच हर्शी मेहुल वारा के नेतृत्व में टोकियो जापान के लिए प्रस्थान करेंगी।

लापता किसान की धारदार हथियार से वार कर हत्या, पड़ताल जारी

सागर। गढ़ाकोटा के अकला गांव से लापता एक किसान का खून से लथपथ शव मिला है। शव मिलने की सूचना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। लापता किसान की धारदार हथियारों से हत्या की गई है। किसान का शव सड़क किनारे पुलिया के पास मिला। किसान के गले और चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अकला गांव निवासी 45 वर्षीय किसान हल्हे लोधी गत दिवस खेत में दवाई डालने गया था। वह रात को घर लौटा जरूर, लेकिन इसके बाद बिना बताए कहीं चला गया। देर रात तक वापस न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। अकला - खैरा मार्ग पर पुलिया के पास ग्रामीणों को एक शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान हल्हे लोधी के रूप में की गई। शव के पास ही उसकी बाइक भी खड़ी थी। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि धारदार हथियार से वार कर किसान की हत्या की गई है। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया और सबूत जुटाए हैं। मृतक के भाई अमर सिंह लोधी का कहना है कि हल्हे लोधी का किसी से कोई झगड़ा नहीं था। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि किसने और क्यों हत्या कर दी। गढ़ाकोटा थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे ने बताया कि धारदार हथियार से हमला किया गया है। हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रभक्ति और स्वच्छता के संदेश के साथ निकली तिरंगा रैली



सागर। हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान के तहत जिले भर में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इन रैलियों का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करना और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है। गांव-गांव और शहर-शहर में निकाली जा रही इन रैलियों में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, शिक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वच्छता कर्मचारी और आम नागरिक भाग ले रहे हैं। हाथों में तिरंगा लेकर लोग भारत माता की जय, स्वच्छ भारत - सशक्त भारत, हर घर तिरंगा - हर गली स्वच्छ जैसे नारों के साथ गली-गली में जोश भर रहे हैं। नागरिकों को बताया जा रहा है कि स्वच्छता केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि यह अभियान देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे तिरंगे को सम्मानपूर्वक फहराएं और अपने आसपास सफाई बनाए रखें। इस रैली ने ना केवल लोगों के मन में देशप्रेम की भावना को जागृत किया, बल्कि स्वच्छता के प्रति भी जागरूकता किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत गांव-गांव और शहर-शहर में स्कूली बच्चों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्व-सहायता समूहों द्वारा तिरंगा रैलियों निकाली जा रही हैं।

रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर से दो माह में 90 लोगों को रक्त उपलब्ध हुआ

सागर। प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह द्वारा सागर स्थित कार्यालय में गत 2 जून को आरंभ किए गए रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से अब तक 90 गरीबों जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया गया। भूपेन्द्र सिंह की पहल पर सागर जिले के बीपीएल कार्ड धारक गरीब जरूरतमंदों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने के लिए हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से हर संभव प्रयास किया जा रहा है। सिंह के जन्मदिन पर इस वर्ष आयोजित हुए चार दिवसीय रक्तदान शिविर में लगभग 1600 यूनिट रक्तदान हुआ और पिछले दस सालों में लगभग 14 हजार से अधिक यूनिट रक्तदान हुआ है। इसके पश्चात सागर स्थित कार्यालय में रक्त सेवा हेल्पलाइन सेंटर शुरू किया गया है। विधायक भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि इस हेल्पलाइन सेंटर का मोबाइल नंबर 9228035418 है। जो चौबीस घंटे चालू है। इसके साथ ही एक लैडलाइन नंबर 262688 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इमरजेंसी में सिंह के स्वयं के मोबाइल नंबर 9425171211 पर काल, वाट्सएप या एसएमएस किया जा सकता है।

तीर्थ दर्शन यात्रा 13 अगस्त को होगी रवाना, आवेदन शुरू

उज्जैन। तीर्थ दर्शन यात्रा पर जाने वाले उज्जैन वासी बुजुर्गजन मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत अपना आवेदन निर्धारित समय सीमा के पहले जमा कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार योजना के अंतर्गत अगस्त से अक्टूबर तक यात्रा जाना प्रस्तावित है, 13 अगस्त को वाराणसी अयोध्या तीर्थ दर्शन यात्रा 13 अगस्त को रवाना होगी, इच्छुक आवेदक अपना आवेदन नगर निगम उज्जैन आगर रोड के कक्ष 214 में जमा करा सकते हैं। आवेदन जमा करने का समय 3 बजे तक रखा गया है। वरिष्ठ नागरिक जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है, दंपती के साथ यात्रा कर सकते है और 65 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदक दंपती अपने साथ एक सहायक को ले जाने की पात्रता रखते हैं।

वहीं 60 प्रतिशत दिव्यांग के लिए आयु का बंधन नहीं है। आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए व उज्जैन निकाय का निवासी होना चाहिए। आवेदक का आधार, समग्र आईडी, फोटो, स्वास्थ्य का प्रमाण, आवेदक के दस्तावेज समग्र आईडी में ई-केवायसी सहित आवेदन के साथ संलग्न होना चाहिए।

पर्यटन की संभावनाओं को समेटे है वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व

अनुकूल वातावरण होने से बढ़ रहा है कुनबा, सात साल में 11 गुना हुए बाघ

सुविधाएं हों

...तो बढ़ें पर्यटन

विभागीय जानकारी के अनुसार वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में कुल छह रेंज है और इन सभी रेंज में बाघ विवरण कर रहे हैं। वन विभाग को सभी रेंज में मिले बाघों के पदचिन्ह इसकी पुष्टि कर रहे हैं। बाघों की संख्या बढ़ने के बाद यहां टूरिज्म की भी काफी संभावनाएं हैं। पर्यटकों को बाघ दिखेंगे तो यहां आने वालों की तादाद भी बढ़ेगी। टाइगर रिजर्व प्रबंधन को पर्यटकों के लिए कुछ सुविधाएं बढ़ानी होगी।

दो साल पहले बना टाइगर रिजर्व

जून 2023 में प्रदेश के सातवें और बुंदेलखंड के दूसरे टाइगर रिजर्व को नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से मंजूरी मिली थी। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दमाह, सागर और नरसिंहपुर जिले का कोर एरिया शामिल किया गया है। बाघ शिप्टिंग प्रोजेक्ट के तहत बाघ-बाघिन लाए जाने के कुछ साल बाद यहां कुछ बाहरी बाघ आकर बस गए। टैरेटरी को लेकर बाघों के बीच संघर्ष हुआ। यहां 20 से 25 तेंदुओं के अलावा चिकारा, हिरण, नीलगाय, सियार, भेड़िया, लकड़बग्घा, भालू, मगरमच्छ, सांभर, मोर, चीतल व अन्य वन्य जीव भी हैं। डीएफओ डॉ ए एंसांसी के अनुसार नौरादेही अभ्यारण्य का सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, पेंच और रातापानी अभ्यारण्य के बाघों से पुराना नाता जुड़ा हुआ है। यहां पर नर्मदा नदी के तट से लेकर इन क्षेत्रों के जंगलों से बाघों का आना -जाना होता है। यहां हैबिटेट जोन भी चिह्नित किए गए हैं जो बाघों के आवागमन और रहवास की स्थितियों को अनुकूल बनाते हैं।

आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग, बल्लेबाजों में जायसवाल टॉप-5 में

करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे सिराज- कृष्णा, बुमराह नंबर-1 पर कायम

दुबई , एजेंसी

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में 15वें स्थान पर पहुंच गए जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेने के बाद 12 स्थान की छलांग लगाई। उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट

लिए जिससे भारत ने मेजबान टीम को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की। सिराज की अब तक की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी रैंकिंग 16 थी जो उन्होंने पिछले साल जनवरी में हासिल की थी।भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 889 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ केवल तीन टेस्ट मैच खेले। प्रसिद्ध कृष्णा भी करियर की सर्वश्रेष्ठ 59वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए। इस तरह से वह और सिराज किसी एक टेस्ट की दोनों पारियों में चार या इससे अधिक विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय जोड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि स्पिनर बिशन सिंह बेदी और इराफली प्रसन्ना ने 1969 में दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हासिल की थी। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ओवल में श्रृंखला में अपने दूसरे शतक के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में लौट आए।

तीन स्थान ऊपर पहुंचे जायसवाल

जायसवाल तीन स्थान ऊपर पहुंचे और उनके 792 अंक हैं। उनके अलावा शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं, जो एक स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। वह पैर की चोट के कारण पांचवां टेस्ट नहीं खेल सके थे। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने लगातार तीसरा शतक लगाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जबकि

हैरी ब्रुक फिर से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ओवल में दूसरी पारी में 98 गेंद पर 111 बनाए थे। गेंदबाजी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटिकसन और जोश टंग ने भी मैच में आठ-आठ विकेट लेकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। एटिकसन पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं, जबकि टंग 14 स्थान ऊपर 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बॉलीवुड थ्रिलर मूवी से कम नहीं थी भारत-इंग्लैंड सीरीज

छह विवादों ने मचाया जमकर बवाल... शुरुआत से अंत तक दिखा महारोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी क्रिकेट का जबरदस्त तड़का देखने को मिला। ओवल में 4 अगस्त को सीरीज का समापन 2-2 के साथ हुआ। हैडिंग्ले के लीड्स से लंदन के ओवल मैदान के बीच जो भी क्रिकेट के खेल में देखने को मिला वो किसी बॉलीवुडिया फिल्मी की कहानी से कम नहीं था। इसी सीरीज के दौरान कई विवाद सामने आए, कई बार लगा कि जेटलमैन गेम की भावनाएं तार-तार हो जाएंगी। मैदान पर भिड़ंत हुई, कहासुनी हुई, एग्रेसन दिखा, लेकिन इन सबने दर्शकों को एक सुपरपैक सीरीज देखने को मिली। आइए अब आपको बताते हैं इस सीरीज से जुड़े कुछ विवाद...जो हमेशा याद रहेंगे।

लॉर्ड्स टेस्ट: इयूक्स बॉल की क्वालिटी पर विवाद

लॉर्ड्स टेस्ट में टीम इंडिया की हार के बाद इयूक्स बॉल की गुणवत्ता पर सवाल उठे थे. इसके बाद मामले को शिकायत भारतीय टीम के मैनेजमेंट ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से की। अपनी शिकायत में भारतीय टीम ने आरोप लगाया था कि दूसरी रिलेसमेंट बॉल, जिसने सिर्फ 10 ओवर में ही शेष खो दी थी, असल में 30-35 ओवर पुरानी थी। टीम इंडिया के मैनेजमेंट का कहना है कि इससे उन्हें काफी नुकसान हुआ और आखिरकार 22 रनों से मैच हारना पड़ा था।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

लॉर्ड्स टेस्ट : देरी और इंग्लैंड की टाइम वेस्टिंग की रणनीति

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में हुआ। मैच के तीसरे दिन (12 जुलाई) के खेल का समापन बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ। दिन का खेल खत्म होने से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल और अंग्रेज ओपनर जेक क्रॉउली के बीच जमकर बहस देखने को मिली। क्रॉउली ने बल्लेबाजी के दौरान टाइम करने की कोशिश की, ताकि इंग्लैंड को तीसरे दिन एक ओवर से ज्यादा का सामना नहीं करना पड़े।

गंभीर बनाम ओवल क्यूरेटर ओवल टेस्ट की शुरुआत 31 जुलाई को हुई थी, लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले ओवल के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस ने बेवजह गौतम गंभीर से बहस की। 29 जुलाई को टीम इंडिया का ट्रेनिंग सेशन था। सेशन के दौरान क्यूरेटर ली फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ से कहा कि वे मेन पिच एरिया से 2.5 मीटर दूर रहें, जबकि उन्होंने सिर्फ जॉंगर्स (रबर स्पाइक्स) जुते पहने थे। इस बात से भारतीय टीम मैनेमेंट नाराज हो गया था। इस पर गौतम गंभीर कहते हुए सुने गए कि तुम हमें ये नहीं बता सकते कि हमें क्या करना है... तुम्हें कोई हक नहीं है ये कहने का।

आकाश दीप का डकेट के गले में हाथ डालना ओवल टेस्ट में तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बेन डकेट को पहली पारी में 43 रनों के निजी स्कोर पर आउट किया था। डकेट आउट होने से पहले बेहद लय में दिख रहे थे। ध्रुव जुरेल के हाथों डकेट के कैच आउट होने के बाद आकाश दीप ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। उन्होंने डकेट के सामने ही मुट्ठी भीची और फिर कंधे पर हाथ रखकर उनसे कुछ कहा। इस चीज ने भी सवाल उठाया।

सिराज का एग्रेसिव सेलिब्रेशन

वैसे तो मोहम्मद सिराज क्रिस्टियानो रोनाल्डो की तरह सेलिब्रेशन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लिश बल्लेबाज बेन डकेट का विकेट लेने के बाद जिस तरह का जश्न उन्होंने मनाया था। उस पर ICC (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) को भी एक्शन लेना पड़ा था। उनको ICC के कोड ऑफ कंडक्ट 2.5 का दोषी पाया गया था। बाद में उनकी मैच फीस भी 15ब काट ली गई।

पटौदी ट्रॉफी का नाम बदला जाना भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज को पहले पटौदी ट्रॉफी के नाम से जाना जाता था। लेकिन इस सीरीज का नाम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ। लेकिन इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के इस फैसले पर सुनील गावस्कर और फारुख इंजीनियर ने भी सवाल उठाए थे। दरसअल, पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा था। इफितखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में लंबे अरसे तक काउंटी क्रिकेट खेला था। इफितखार तो इंग्लैंड टीम के लिए भी खेले थे।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और शेल्टन

टोरंटो । अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और बेन शेल्टन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका एक दूसरे से मुकाबला होगा। यह पिछले 15 वर्षों में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में पहला अवसर होगा जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को 6-3, 7-6 4 से हराया। उन्होंने 20 ऐस लगाए, जिनमें से एक ने मैच का अंत भी किया। चौथी वरीयता प्राप्त शेल्टन ने ऑस्ट्रेलिया के नौवें नंबर के एलेक्स डी मिनीर को 6-3, 6-4 से हराया। 22 वर्षीय शेल्टन पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। फ्रिट्ज और शेल्टन के बीच बुधवार को होने वाला मुकाबला 2010 में एंडी रॉडिक की सिनसिनाटी में मार्टी फिश पर जीत के बाद पहली बार होगा, जब अमेरिका के दो खिलाड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे। दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना रूस के 11वें नंबर के खिलाड़ी कारेन ख्वाचानोव से होगा।

ओसाका का शानदार प्रदर्शन जारी, मॉन्ट्रियल । चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबतोलीना को 6-2, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यह पहली बार है जब ओसाका इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंची हैं। अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी यह खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया माबेको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

भारत में 5जी स्मार्टफोन की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी

10,000 रुपए की कीमत वाले 5जी स्मार्टफोन की बिक्री में 600 प्रतिशत से ज्यादा की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल स्मार्टफोन बाजार भी 2025 के क्वार्टर-2 में 8 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ आगे बढ़ा। इस वृद्धि का मुख्य कारण सस्ते 5जी फोन की बढ़ती मांग, चैनल डिस्ट्रीब्यूशन में मजबूती, और कई ब्रांड्स द्वारा नए फोन लॉन्च करना रहा। 10,000 से 13,000 रुपए कीमत वाले 5जी फोन्स की बिक्री में भी 138 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। सीएमआर की सीनियर एनालिस्ट मेनका कुमारी के मुताबिक, यह बढ़त उन ग्राहकों की वजह से हुई है, जो पहली बार अपने पुराने फोन को अपग्रेड कर रहे हैं और उन्हें कम कीमत में अच्छे 5जी फोन चाहिए। प्रीमियम स्मार्टफोन की बात करें तो एप्पल ने इस सेक्टर में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने भारत में 7 प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया और इसमें दोगुनी से ज्यादा ग्रोथ दर्ज की गई। आईफोन 16 सीरीज, खासकर आईफोन 16ई, की भारी मांग रही। 50,000 रुपए से ऊपर की कीमत वाले फोन सेगमेंट में एप्पल का मार्केट शेयर 54 प्रतिशत सालाना बढ़ा।

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारत में 5जी स्मार्टफोन की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में भारत में बिके कुल स्मार्टफोन में से 87 प्रतिशत 5जी फोन थे। यह पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत से ज्यादा है। साइबर मीडिया रिसर्च इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि लोगों में सस्ते 5जी फोन को लेकर काफी रुचि देखी गई है। खासकर 8,000 से

वैश्विक घटनाक्रमों के बीच RBI एमपीसी की अगली बैठक में रेट कट के आसार

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि नीतिगत प्रतिक्रिया के संदर्भ में टैरिफ संबंधी घटनाक्रमों से उत्पन्न चुनौतियों के बीच आरबीआई चौथी तिमाही संभवतः अक्टूबर की नीति में एक और दर कटौती की घोषणा कर सकता है। आवश्यक है। घरेलू मांग में मजबूती के कारण, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत वार्षिक दर पर बनाए रखा। बाहरी मांग के संदर्भ में चल रही टैरिफ सर्वसम्मति से आरबीआई एमपीसी ने उम्मीदों के अनुरूप नीतिगत दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। सभी सदस्यों ने रुख को तटस्थ बनाए रखने के लिए मतदान किया। मॉर्गन स्टेनली के नोट के अनुसार, "नीति वक्तव्य में कहा गया है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सौम्य प्रवृत्ति अस्थायी रहने की संभावना है, खाद्य कीमतों में कमी के कारण, विकास दर अपेक्षित स्तर पर बनी हुई है और पिछली दरों में कटौती का प्रभाव अभी भी जारी है, जिससे इसमें विराम लगना

आवश्यक है। घरेलू मांग में मजबूती के कारण, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत वार्षिक दर पर बनाए रखा। बाहरी मांग के संदर्भ में चल रही टैरिफ सर्वसम्मति से आरबीआई एमपीसी ने उम्मीदों के अनुरूप नीतिगत दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। सभी सदस्यों ने रुख को तटस्थ बनाए रखने के लिए मतदान किया। मॉर्गन स्टेनली के नोट के अनुसार, "नीति वक्तव्य में कहा गया है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सौम्य प्रवृत्ति अस्थायी रहने की संभावना है, खाद्य कीमतों में कमी के कारण, विकास दर अपेक्षित स्तर पर बनी हुई है और पिछली दरों में कटौती का प्रभाव अभी भी जारी है, जिससे इसमें विराम लगना

(सीपीआई) अनुमानों को पहले के 3.7 प्रतिशत से घटाकर 3.1 प्रतिशत कर दिया है, जो मुख्यतः निकट भविष्य में कम मुद्रास्फीति के कारण है। वैश्विक वित्तीय संस्थान के अनुसार, हेडलाइन मुद्रास्फीति का अनुकूल परिदृश्य कम खाद्य मुद्रास्फीति से प्रेरित है।

सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ की सादगी से अनुषा हुई प्रभावित

अभिनेत्री अनुषा दांडेकर इन दिनों वेब सीरीज हंटर-टूटेगा नहीं तोड़ेगा' सीजन 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक किस्सा सुनाया कि शूटिंग के समय सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ ने अपने बचपन से जुड़ी कुछ कहानियां सुनाई थीं। अनुषा दांडेकर ने सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ वेब सीरीज में काम करने के अनुभव को याद करते हुए कहा, इन दोनों के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए ऐसा अनुभव था जिसे मैं शब्दों में नहीं बयां कर सकती। दोनों के साथ काम करना कभी मजेदार, कभी सांसें रोक देने वाला, तो कभी बेहद खास होता था, लेकिन सबसे अच्छी बात यह थी कि उन दोनों ने मुझे हर पल बहुत

अपनापन महसूस कराया था। अनुषा ने एक खास पल को याद करते हुए बताया, एक बार वे सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ एक इवेंट के लिए कार में जा रही थीं। उस दौरान दोनों अभिनेताओं ने अपने बचपन की मजेदार कहानियां सुनाईं, और मैं बस वहां बैठकर उनकी बातें सुनकर हंस रही थी, और सच कहूं तो मुझे इतनी हंसी आई कि मेरी आंखों से आंसू आने लगे थे। अनुषा ने आगे कहा, «दोनों (सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ) कार में बचपन से भरे और मस्ती वाले मूड में थे। ऐसे लग रहा था जैसे दो पुराने दोस्त मजाक कर रहे हों - बिस्कुल किसी स्कूल के दोस्तों की तरह, लेकिन जैसे ही हम तीनों कार से बाहर निकले और भीड़ के सामने आए, तो वो दोनों एकदम बदल गए - फिर से वही स्टार्स जैसे बन गए, जिनकी एक झलक पाने को लोग बेताब रहते हैं।

रश्मिका मंदाना का नया लुक नई फिल्म की तैयारी...

मुंबई। साउथ इंडियन स्टार रश्मिका मंदाना की एक फोटो इंटरनेट पर वायरल है। इस फोटो में वो एक पॉलिटिशियन वाले लुक में दिखाई दे रही हैं। उनके इस अवतार को देख सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस फोटो में एक्ट्रेस साड़ी पहने हुए आदेश देने की मुद्रा में दिख रही हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि रश्मिका किसी फिल्म या वेबसीरीज में दमदार किरदार निभाने जा रही हैं। इस पर अभी कोई अपडेट नहीं आई है। कहा जा रहा है कि यह उनकी नई सीरीज या फिल्म जो पावर और पॉलिटिक्स पर बेस्ट होगी, उससे ही लिया गया है। इसे देखकर ऐसा लग रहा कि वो किसी मीटिंग की तैयारी में हैं। एक सोर्स

ने आईएनएस से कहा, यह रश्मिका मंदाना का सिर्फ नया लुक नहीं है। यह एक बोल्ड स्टेटमेंट है, जिसे हर किसी को अपनाना चाहिए। इसमें कुछ खास बात है। आपको किसी बड़ी घोषणा का इंतजार करना चाहिए, जो उनके लेटेस्ट प्रोजेक्ट से जुड़ी हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो एनिमल फेम एक्ट्रेस की आने वाली फिल्म द गर्लफ्रेंड 5 सितंबर को रिलीज होगी। इसे राहुल रविंदन ने डायरेक्ट किया है। इसमें दीक्षित शेट्टी लीड रोल में हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस के पास थामा भी है। इसमें वो आयुष्मान खुराना के अपोजिट दिखाई देंगी। इसे मुंज्या फेम आदित्य सरपतदार डायरेक्ट करेंगे।

मुंबई के अंडरवर्ल्ड और थाईलैंड की पृष्ठभूमि पर आधारित सीरीज

अनुषा ने कहा, उन दोनों को सामने देखकर लोगों की ऐसी जबरदस्त प्रतिक्रिया दिखी कि लगा मैं किसी फिल्म का सीन देख रही हूं। 'हंटर-टूटेगा नहीं तोड़ेगा' सीजन 2 और भी ज्यादा रोमांचक और एक्शन से भरपूर है क्योंकि इस बार कहानी में विक्रम सिन्हा (जो सुनील शेट्टी ने निभाया है) मुंबई की गलियों से लेकर थाईलैंड तक एक खतरनाक जंग लड़ते नजर आ रहे हैं। सीरीज मुंबई के अंडरवर्ल्ड और थाईलैंड की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें ढेर सारा ड्रामा और उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। सीजन में जैकी श्रॉफ ने एक बार फिर सेल्समैन के किरदार में वापसी की है। साथ ही, अनुषा दांडेकर भी एक अहम किरदार में नजर आ रही हैं। उनके अलावा बरखा बिष्ट, अन्नं देसाई, प्रमोद पाठक और मंजेल व्यास जैसे कलाकार भी इस शो का हिस्सा हैं, जो कहानी को और दिलचस्प बना रहे हैं।

युवक ने जहर खाकर दी जान

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बालमपुर गांव में एक युवक ने जहर खा लिया। परिजन



उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को

सौंप दिया है। परिजन का आरोप है कि उसने किसी से कर्ज लिया था और कर्ज के लिए देनदार दबाव बना रहे थे। इसके अलावा मृतक के मोबाइल पर कुछ दुखभरे वीडियो मिले हैं। साथ ही युवती से वीडियो कॉल पर बातचीत हुई है। इससे अनुमान है कि उसने प्रेम प्रसंग में यह कदम उठाया है। पुलिस दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार प्रदीप अहिरवार पिता हरनाम सिंह अहिरवार (30) बालमपुर गांव का रहने वाला था। वह ईंट भट्टे पर काम करता था। इसी के साथ लोडिंग वाहन भी चलाता था। मंगलवार शाम वह घर लौटा और उल्टियां करने लगा। पिता ने उससे उल्टियां करने का कारण पूछा तो उसने बताया कि जहर खा लिया है। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान नहीं हो सके हैं। प्रारंभिक जांच में कर्ज की बात और युवती से वीडियो कॉल की बात सामने आई है।

बिना हेलमेट पेट्रोल देने से मना करने पर सेल्समैन को पीटा

भोपाल। गांधी नगरथाना क्षेत्र में निजी कंपनी के पेट्रोल पंप कर्मचारी से युवकों ने जमकर मारपीट की।



कर्मचारी का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने बिना हेलमेट के पेट्रोल देने से इंकार कर दिया। पुलिस ने

कर्मचारी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। कर्मचारी का आरोप है कि मारपीट करने वाले युवकों ने उसके हाथ से पांच हजार रुपए की नगदी भी छीनी है। जानकारी के अनुसार नितिन पाल (30) नायरा पेट पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह पंप पर पेट्रोल सेल कर रहे थे। इसी बीच एक स्कूटर पर सवार होकर चार युवक आए। वे एक स्कूटर चार लोगथे और किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। कंपनी ने आदेशित किया है कि बिना हेलमेट के किसी भी दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल नहीं देना है। लिहाजा नितिन ने हेलमेट बिना पेट्रोल देने से इंकार कर दिया। इसी बात पर युवक भड़क गए और उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। घटना एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें केवल एक युवक मारपीट करते हुए नजर आ रहा है।

दूसरी मंजिल से गिरी पांच साल की मासूम, मौत

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित राजधानी परिसर में निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर पांच साल की मासूम



घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार कामिनी बंसल पिता श्रवण बंसल (5) मूलतः दमोह की रहने वाली थी। उसके पिता श्रवण बंसल मिस्त्री का काम करते हैं। परिवार यहां राजधानी परिसर में निर्माणाधीन मकान में रह रहा था और मजदूरी करता था। सोमवार शाम कामिनी की मां खाना बना रही थी और पिता ठेकेदार से बातचीत कर रहे थे। इसी बीच कामिनी खेलते खेलते से छत से नीचे गिर गई। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने परिजन को बताया था कि कामिनी नीचे घायल अवस्था में पड़ी है। परिजन उसे उठाकर अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिजन ने बताया कि निर्माणाधीन मकान दो मंजिल का है। हादसे के समय वह पहली मंजिल से गिरी या दूसरी मंजिल से इसकी जानकारी किसी को नहीं है। परिजन में कामिनी सबसे छोटी बेटी थी, जबकि बड़ा भाई और बहन है।

कोलार में पार्क एवेन्यु श्री नगर की घटना, धक्का देकर दंपती को गिराया

घर पहुंचकर डोर बेल बजाई व कहा बिजली की कंप्लेंट है, फिर महिला से चेन झपटकर भागे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में बाइक सवार लुटेरे रोज एक वारदात को अंजाम दे रहे हैं। बदमाशों ने कोलार थाना क्षेत्र स्थित पार्क एवेन्यू कॉलोनी, श्रीनगर में बुधवार रात करीब 8 बजे सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। बदमाश सीनियर सिटीजन के घर पहुंचे और डोर बेल बजाई।

गेट खुलते ही उन्होंने कहा कि बिजली की कंप्लेंट हैं। दंपती ने कहा कि हमने कोई कंप्लेन नहीं की तो बदमाश ने बुजुर्ग महिला के गले से चेन झपट ली। बदमाशों ने बुजुर्ग दंपती को धक्का भी देकर गिराया। इसके बाद बाहर खड़ी बाइक पर सवार होकर बदमाश भाग निकले। दंपती ने तत्काल घटना की शिकायत कोलार पुलिस को दी थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दंपती से पूछताछ कर उनके निवास पर ही एफआईआर दर्ज कर



ली। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद हुई है और बाइक का नंबर भी इस बार हाथ लग गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद राजधानी की करीब आधा दर्जन लूट की वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है। एसआई संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुष्पा वर्मा पति गोविंदकांत वर्मा (78) पार्कएवेन्यु कॉलोनी, श्रीनगर कोलार में रहते हैं। उनका मुख्य सड़क पर मकान है। गोविंद कांत एलएनटी से रिटायर्ड हैं।

रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कोलार में मकान बना लिया था। उनके परिवार में पत्नी पुष्पा वर्मा और 35 साल की बेटी है। बेटी का मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ है और वह उनके साथ घर पर ही रहती है। गोविंदकांत ने पुलिस को बताया कि बुधवार शाम वह पत्नी और बेटी के साथ घर परथे। रात करीब 7 बजकर 55 मिनट पर घर की डोर बेल बजी। डोर बेल बजने पर वह गेट पर आए और उनके पीछे पत्नी पुष्पा भी आई। बाहर दो युवक खड़े थे। दोनों मुंह पर कपड़ा लपेटे हुए थे।

बाइक बाहर खड़ी कर आए थे बदमाश

घटना की सूचना मिलते ही कोलार पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। इसके बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। दंपती ने बताया कि दोनों बदमाश बाइक से आए थे। उन्होंने घर के सामने बाइक खड़ी की थी। महत तीन मिनट के भीतर उन्होंने झपटमारी की वारदात की है। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों का हुलिया और बाइक का नंबर मिल गया है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपके घर से बिजली की कंप्लेंट है। इस पर गोविंद कांत ने कहा कि हमारे द्वारा कोई भी कंप्लेन दर्ज नहीं कराई गई। यह सुनते ही बदमाशों ने पुष्पा के गले में चेन देखी और झपट्टा मारकर चेन छीन ली। दंपती ने उनका विरोध किया तो वे उन्हें धक्का देकर भाग निकले। झपटी गईचेन की कीमत 50 हजार रुपए है।

दुकान में टीन का शेड डालने के विवाद में अब हत्या का केस दर्ज

महिला पर गिरा था खौलता तेल, इलाज के दौरान मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्ना नगर इलाके में दुकान के बाहर टीन शेड डालने को लेकर दो रिश्तेदार परिवार के बीच हुए विवाद में एक महिला की मौत हो गई। दरअसल, गत 3 अगस्त रविवार रात इस विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। विवाद इतना बढ़ा कि युवक ने खौलता हुआ गर्म तेल एक युवक पर कड़ाई सहित फेंक दिया था। इससे युवक तो झुलसा ही बीच-बचाव करने आई उसकी भाभी भी करीब 70 फीसदी झुलस गईं। उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान बीती रात



महिला की मौत हो गई। इस घटना में उसका देवर और तेल फेंकने वाला आरोपी भी झुलसा है। उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया था। अब हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। उक्त मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को गिरफ्तार कर बाल संप्रक्षेप गृह भेज दिया है। मुख्य आरोपी की जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। थाना प्रभारी प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि अन्ना नगर निवासी मुकेश

प्रजापति अंडे का ठेला लगाता है और पास ही उनकी पंचक्र की दुकान भी है। उनके रिश्तेदार कमलेश प्रजापति उनकी दुकान के बगल में नाश्ते और किराने की दुकान चलाता है। कुछ दिन पहले बारिश से बचाव के लिए मुकेश ने दुकान के बाहर टीन शेड डाल दिया था। इसी बात को लेकर कमलेश ने नगर निगम में शिकायत की, जिसके बाद निगम ने शेड हटा दिया। जब मुकेश ने दौबारा शेड लगाया तो रविवार रात कमलेश, उसका नाबालिग बेटा और रिश्तेदार विनीत विरोध करने पहुंचे गए। विवाद बढ़ने पर कहासुनी हुई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान बीच-बचाव करने आई मुकेश की पत्नी कांति प्रजापति पर कमलेश ने गुस्से में आकर समोसे तलने वाले गर्म तेल की कड़ाही फेंक दी।

मजदूर महिला को लाल बस ने मारी टक्कर

भोपाल। कोहेफिजा स्थित

लालघाटी चौराहे पर एक लालबस ने मजदूर महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार नयथूलाल यादव (32) दानिशा चौराहा बागसेवनिया में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह अपनी पत्नी ज्ञानवती के साथ लालघाटी चौराहे पर काम करने पहुंचे थे। चौराहे पर सड़क क्रास करते समय बैरागढ़ की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार लालबस ने उनकी पत्नी को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल महिला को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।



सुभाष स्कूल के छात्रों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही, स्पीकर तोमर से मिले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान तोमर ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उत्कृष्ट विद्यार्थी के रूप में नाम रोशन करने का आह्वान किया।

इस दौरान विद्यालय की शिक्षिक डॉ दिव्या श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव एवं अंजना कपूरिया व विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षकों ने विस अध्यक्ष तोमर का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने विद्यालय



का प्रतीक चिह्न स्वीकार को भेंट किया। इससे पहले विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विधानसभा की कार्यवाही व लाइब्रेरी देखी।

विधानसभा भवन के बारे में

सड़क हादसेमें घायल युवककीमौत

भोपाल। शाहपुराथाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर में गत 31 जुलाई को घायल अवस्था में मिले युवक की इलाज के दौरान बीती रात मौत हो गई। उसे सड़क पर घायल अवस्था में पड़े देख राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया था। पास ही बाइक पड़ी हुई मिलने से अनुमान था कि उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूरी भेज दिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है।

पुलिस के अनुसार दीपू रविदास पिता राजेश रविदास (25) शासकीय स्कूल के पास बांसखेड़ी कोलार रोड पर रहताथा और प्राइवेट काम करता था। गत 31 जुलाई की दोपहर करीब ढाई बजे उसे राहगीरों ने रोहित नगर में सड़क से घायल अवस्था में निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से परिजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अस्पताल की सूचना पर पुलिस दो बार पहुंची थी, लेकिन होश नहीं आने के कारण दीपू बयान नहीं दे सका। उसकी बाइक का मास्क टूटा हुआथा। अनुमान है कि या तो वह स्वयं बाइक से गिरा है या फिर सामने से किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मारी थी।

बिलखिरिया इलाके में मिनी ट्रक की टक्कर से स्कार्पियो हुई क्षतिग्रस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने आगे चल रही स्कार्पियो को टक्कर मार दी। इस हादसे में किसी को चोट तो नहीं आई, लेकिन स्कार्पियो में काफी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार मानसिंह रैकवार (37) गैरतगंज जिला रायसेन के रहने वाले हैं और ड्राइविंग करते हैं। बुधवार को वह अपने मालिक और उनके परिवार को स्कार्पियो में लेकर रायसेन से भोपाल आ रहे थे। दोपहर करीब एक बजे मानसिंह बिलखिरिया स्थित जैन धर्मकाटा के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे मिनीट्रक ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार घायल =उधर परवलिया स्थित ओवर ब्रिज पर एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार



युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। अस्पताल में इलाज कराने के बाद फरियादी ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। मोहसिन खान (42) कोहेफिजा में रहते हैं। वह स्कूटर से परवलिया स्थित रिसोर्ट जाने के लिए निकले थे। उनके परिवार वाले भी पीछे से कार में चल रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे वह परवलिया ओवर ब्रिज पर पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी।

मेट्रो एंकर

कोहेफिजा थाना क्षेत्र का मामला

डिलेवरी कंपनी के ऑफिस का ताला तोड़कर 4 लाख की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा स्थित बीडीए कॉलोनी में डिलेवरी कंपनी के ऑफिस का ताला तोड़कर नकाबपोश बदमाश 4 लाख 35 हजार 902 रुपए लेकर फरार हो गए। ऑफिस के संचालक जब ऑफिस पहुंचे तब उन्हें चोरी की वारदात का पता चला। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाश की तलाश कर



रही है। कोहेफिजा थाने के एसआई दीपक ने बताया कि करोंद निवासी

अरशद कोहेफिजा इलाके की बीडीए कॉलोनी में स्थित एक पार्सल डिलीवरी ऑफिस के संचालक हैं। फ्लिपकार्ट, अमेज़न समेत सभी ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के पार्सल

है जिसमें वे पेमेंट के पैसे रखते हैं। 4 अगस्त की रात करीब दस बजे उन्होंने दिन भर के कलेक्शन से आए 4 लाख 35 हजार 902 रुपए लॉकर में रखे थे। अगले दिन जब वे ऑफिस पहुंचे तो उन्हें लॉकर टूटा मिला। लॉकर के भीतर रखे पैसे चोरी हो चुके थे। उन्होंने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से सीसीटीवी कैमरे

के फुटेज ब्रामद किए हैं। इस फुटेज में दिख रहा है कि 4-5 अगस्त की दरमियानी रात करीब तीन बजे एक बदमाश ऑफिस में घुसा था। उसने चेहरे पर नकाब लगाया हुआ था तथा सिर पर टोपी लगाई हुई थी। करीब तीस मिनट के भीतर उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया तथा मौके से भाग निकला। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

आरजीपीवी में मारपीट मामले में 8 छात्रों पर हुआ एक्शन

भोपाल। राजधानी के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) छात्रावास में हुई मारपीट और रैपिंग के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। यूजीसी एंटी-रैपिंग हेल्पलाइन को दर्ज शिकायत और जांच के बाद कुल 8 छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। चार दिन पहले रात करीब 10 बजे यूनियर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) के बाल्टिक हॉस्टल और स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर हॉस्टल के छात्रों में कहासुनी मारपीट तक पहुंच गई। विवाद की शुरुआत एक फोन कॉल पर हुई थी। आरोप है कि फोन पर बात करने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों हॉस्टलों के छात्र उड़ते और लोहे की रॉड लेकर आमने-सामने आ गए। इस झगड़े में कई छात्र घायल हुए, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। फिर मारपीट का वीडियो भी सामने आया, जिससे मामला और गंभीर हो गया। यह शिकायत यूजीसी एंटी-रैपिंग हेल्पलाइन को मिली, जिसके बाद कार्रवाई शुरू हुई।